चेतना संदेश

उतिष्ठित जागृत

तैलिक समाज दिग्दर्शक

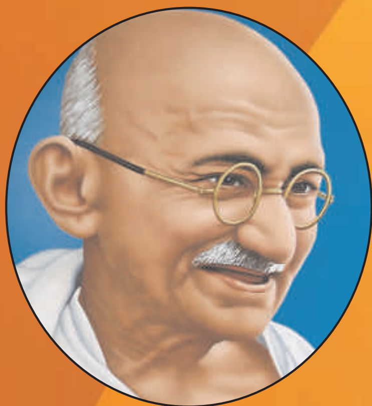
राष्ट्रपिता

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

राष्ट्र गौरव

श्री पी.सी.गद्दीगौदर
मा.सांसद, बागल्फोट
कर्नाटका

श्री चन्दूलाल साहू
मा.सांसद, महासयुन्द्र
छत्तीसगढ़

श्री रामदास तडस
मा.सांसद, वर्धा
महाराष्ट्र

श्री रामेश्वर तेल
मा.सांसद, डिबूगढ़
आसाम

श्री ताम्रध्वज साहू
मा.सांसद, दुर्ग
छत्तीसगढ़

श्री लखनलाल साहू
मा.सांसद, विलासपुर
छत्तीसगढ़

हमारे समाज के वर्तमान 16वीं लोकसभा में माननीय सांसदगण जिनका संक्षिप्त विवरण पेज नं. 13–15 पर

श्री गिरिजा शंकर गुप्ता
राष्ट्रीय प्रमुख महामंत्री
मुम्बई, महाराष्ट्र

श्री उमेश नन्दलाल शाहू
राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष
नागपुर, महाराष्ट्र

श्रीमती मानसी साहू
राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
नई दिल्ली

श्री मेवालाल साहू
राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष
ग्वालियर, मध्यप्रदेश

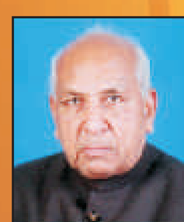
श्री जितेन्द्र माथुर
राष्ट्रीय प्रभारी
लखनऊ, उ.प्र.

श्री अरविन्द गांधी
राष्ट्रीय महामंत्री, संगठन
बलिया, उ.प्र.

वी जनार्दनन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
एरोड, तमिलनाडू

समाज की दशा एवं दिशा का व्यवहारिक आंकलन एवं मार्गदर्शक के रूप में रचनात्मक पहल

E-mail : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
Website : www.tailik.org.

If undelivered please return to :
Shubham Theatre Building
Cantt. Road, Kaiserbagh, Lucknow-01
0522-2628182, 9451403835

SRI BALAJI INNOVATIONS

Mfr. of Garment Decorative Embellishments & Accessories

PRODUCT DETAILS

Manufactures of :

- Leather Patches
- Rubber patch & Hi Density rubber Print.
- Doom Labels - Hot Fix
- Stone, Studs & All Hot Fix Items as Motif Stickers
- HI-DENSITY Transfer Print Sticker
- 3D & 4D Patch
- Embossing on Fabric
- Reflective & Metallic Foils
- Fabric Applique (Hot Fix)
- Job Work in Roll form & Manual Fusing
- Special Fabrics & Yarn from China

K.R.Sivanantham // S.GOKUL RAJ
President // M.D
Mb: +91-93446 89089 // 93446 98098
अध्यक्ष- तमिलनाडु
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
युवा अध्यक्ष- तमिलनाडु
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

Mfrs.of Garment Decorative Embellishment & Accessories

SRI BALAJI INNOVATIONS

24, K.S.Puram Main St., Nr. K.S.C School Road, Tirupur-641 604. T.N INDIA
Ph: 91-421-2420668,2423558 , 95855 98098
E-mail: office@sbigroups.com // www.sbigroups.com

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

द्वारा प्रकाशित पत्रिका

चेतना संदेश

मुख्य संरक्षक,संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष :

गांधी रामनरायन साहू (पूर्व सांसद)

मोबाइल– 09695130007

संरक्षक मण्डल :

डॉ0 उमेश नंदलाल शाहू
नागपुर– # 09422114433

श्रीमती मानसी साहू, एडवोकेट (सुप्रीमकोर्ट)
दिल्ली– # 09868149873

मेवा लाल साहू
ग्वालियर– # 08959136930

अरविंद गांधी, एडवोकेट
बलिया, उ.प्र. – # 09415813210

प्रवीण कारपोले गाण्डला तेली
हैदराबाद – # 09390100002

एस.गोकुल राज
त्रिपुरा, तमिलनाडू– # 09344698098

महेश चन्द्र साहू
दिल्ली – # 09350516675

ललित राठौर
रूद्रपुर, उत्तराखण्ड – # 09690455226

प्रधान सम्पादक :

जितेन्द्र माथुर
लखनऊ– # 09936241320

सम्पादक :

रमाशंकर गुप्ता, एडवोकेट
लखनऊ– # 09451403835

सह–सम्पादक :

गांधी शिवसागर साहू
लखनऊ– # 09452572336

विधिक–सलाहकार :

मनोज साहू, एडवोकेट
लखनऊ– # 09450750386

परामर्शदाता समिति :

मोहनलाल गुप्ता
लखनऊ– # 09415576867

जैकिशन साहू
गाज़ीपुर – # 09415241047

गांधी डी0सी0 गुप्ता
लखनऊ – # 09450638204

श्रीमती विजय लक्ष्मी साहू
फतेहपुर,(उ.प्र.) – # 07309155011

प्राक्कथन

अपने आप से करें प्रतिस्पर्धा

आज प्रत्येक व्यक्ति परेशानियों से जूझ रहा है। ढेरों समस्यायें उसे झकझोर रही है। मनुष्य का लक्ष्य है इन समस्याओं से मुक्ति पाकर सुख और समृद्धि की प्राप्ति। ये दोनों ही उपलब्धियां सफलता की प्रतीक है। जहां सफलता है वहां सबकुछ है। जीवन की हर खुशी आपकी हर सफलता से जुड़ी है। अगर आप सफलता प्राप्त करना चाहते हैं तो किसी और से नहीं,अपने आपसे प्रतियोगिता कीजिये। फिर देखिये– सफलता आपके कदम चूमेंगी। बड़े–बड़े काम करने वाले लोग प्रतियोगियों को पछाड़ने के बजाय अपने पिछले प्रयत्नों से आगे निकलने का प्रयास करते हैं।

वास्तव में किसी प्रतियोगी की योग्यता के विषय में चिंता करने और उसके श्रेष्ठ सिद्ध हो जाने की संभावना पर सोचते रहने से प्रायः हार हो जाती है। ऊंचे कार्य करने वालों की रूचि किसी भी काम को अपने कसौटी के अनुसार बेहतर ढंग से करने की होती है। इसलिए वे अलग–अलग रहने के बजाय मिलजुल कर काम करने वाले होते हैं। एकाकी भक्ति बहुधा प्रतियोगिता के बारे में जरूरत से ज्यादा चिंतित रहते हैं जीवन में सफलता के शिखर चूमने वालों के सामने चाहे जितनी विषमतायें सामने आई हों उनके पास इन्हें परास्त करने के एक न एक विचार मौजूद रहता है।

-गांधी रामनरायन साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक

प्रकाशक : **भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)**

कार्यालय :

शुभम थियेटर बिल्डिंग,कैण्ट रोड़, कैसरबाग लखनऊ–226001

फोन : 0522–2628182, वेब साईट : www.tailik.org.

ई–मेल : bhartiyatailikmahasabha@gmail.com

मुद्रक : एक्स्ट्रीम एडवारटाइजिंग, लखनऊ

फोन : 0522–4000788, मो. +919839075611

अंक- त्रयोदशम्

सहयोग राशि : ₹ 25/-

अनुक्रमणिका

न.	लेख का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	समाज सेवा ईश्वरीय सेवा....	3
2.	My Samaj my Pride...	3
3.	सम्पादकीय...	4
4.	रामनरायन साहू भाषण राज्य सभा...	5
5.	नारी मुक्ति नही, नारी शक्ति का आह्वान....	6
6.	लक्ष्य युक्त मार्ग चुने युवा...	7
7.	युवा–पत्रकारिता को कैरियर बनाकर संवारे भविष्य...	8
8.	आलस्य का त्याग...	9
9.	अहंकार त्यागें...	11
10.	16वीं लोकसभा में साहू समाज के विजयी सांसद...	13–15
11.	समाज को सक्रिय संगठन की आवश्यकता...	17–19
12.	टहलने से समाजीकरण के साथ...	21
13.	उपभोक्ता न्यायालय– आम आदमी के जीवन मे उपयोगी....	23
14.	समय–प्रबंधन...	25
15.	नारी सशक्तिकरण...	27
16.	Speech and Hearing Disorder....	29–31
17.	आधी जनसंख्या का पुनरूथान कैसे.....	31
18.	मृत्यु भोज (एक सामाजिक बुराई)	33
19.	गौरवं घोर रौरवं...	35
20.	व्यग्य–डॉक्टर कथा...	37
21.	परिवार में ध्यान रखने योग्य बातें...	38
22.	मलेरिया के कारण एवं निवारण...	39
23.	क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद...	40
24.	युवाओं के प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलाम...	41
25.	कविता...	42
26.	नारी...	42
27.	स्मृति किशोर साहू...	43–44
28.	जन वाणी...	45
29.	लहर नही ज़हर हूं मैं....	46
30.	सच्चा दहेज...	46
31.	आइये अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करें....	47–48
32.	भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा द्वारा कैरियर गाइडेंस.....	48
35.	सहयोगी सदस्यता स्वीकृति–पत्र	50
36.	स्वजातीय बन्धुओं से निवेदन	51
37.	समाचार पत्रों की सुर्खियाँ	52

पत्रिका में विज्ञापन दर

रंगीन पृष्ठ- 2 रू. 8,000/-, रंगीन पृष्ठ- 3 रू. 6000/- रंगीन पृष्ठ 4 रू. 10000/-

रंगीन पृष्ठ पत्रिका के अन्दर फुल पृष्ठ -रू. 3000/- हाफ पृष्ठ- रू. 1500/-

पूरा पृष्ठ ब्लैक एण्ड व्हाइट रू. 1,500/-, आधा पृष्ठ रू. 800/-

समाज सेवा ईश्वरीय सेवा होती है!

जीवन में कहीं न कहीं हमें संघर्ष के लिए तैयार होना ही पड़ता है। मनुष्य कभी भी अपने आप से भाग नहीं सकता। मन के अंदर संकल्प एवं विकल्प का युद्ध चलता ही रहता है। जब तक सांस की गति जारी है, संघर्ष चलता ही रहेगा। परमात्मा ने हर किसी को अंदर एक अलग तरह की शक्ति दी है। इतनीशक्ति अपने अंदर होनी चाहिए कि अन्याय का प्रतिकार कर सकें।

भगवान कृष्ण ने अर्जुन को झकझोरकर कहा था, अर्जुन कायरता और ह्दय की दुर्बलता त्याग कर युद्ध के लिए खड़े हो जाओ। संघर्ष प्रत्येक को करना पड़ता है चाहे वह बच्चा हो या बूढा। अपनी जीवन शक्ति को जितना प्रबल रखेगे उतने ही अच्छे ढंग से जी सकेंगे। जितने भी आश्रम ब्रहाचर्य श्रम लगा हुआ है। यह इस तथ्य का प्रतीक है कि श्रम से जी नहीं चुराना चाहिए।

भगवान ने हर किसी के अंदर एक शक्ति दी है। दबने के बाद सारी संग्रहीत ऊर्जा एक साथ विस्फोट करती है। यह विस्फोट विरोध के रूप में उभरकर आता है। अपने अंदर भी इतनीशक्ति होनी चाहिए कि अन्याय का प्रतिरोध किया जा सके। समाज सेवा ईश्वरीय सेवा हो तो है। प्रमादहीन होकर राष्ट्र को समाज को अपने सेवा समर्पित करें। समाज में जो भी दायित्व आपको मिला है उसे कुशलता से करके दिखायें। भगवान कृष्ण ने युद्ध में रथ चलाया। कबीर जीवन भर तान-बाना बुनते रहे। संत रविदास ने मोची का कार्य किया।

तिरूबल्लवर साड़ियां बुनते रहे। तात्पर्य यह है कि जीवन में कार्य छोटा हो बड़ा हो इसे भक्ति भाव से करें। जो व्यक्ति प्रत्येक समय सतुष्ट हो, सन्तुलित हो, उसी के द्वारा समाज सेवा में सार्थकता सिद्ध होगी।

जितेंद्र माथुर
प्रधान सम्पादक

MY SAMAJ, MY PRIDE

All the us take pride in calling ourselves as tailik. Belonging to a samaj of great historic importance. We eargerly wait for a meeting to be held in which we can participate and put our thoughts before other brothers and sisters. But simultaneously one factum we forget is as our constitution has granted us fundamental rights so also being citizen of teh country, we have to perform our duties. The same rights are claimed by us when we call ourselves "Samajik" but we do forget that there are some duties by one and all of us towards our samaj. If each one of us being responsible enough performs one duty of his or her selflessly then our samaj will move ahead in a more faster pace and make way for the younger generation to cherish for future. Now, query arises what are the duties to be performed by us. Should we not educate our younger generation with the rich heritage of our samaj from time to time to refresh their memory. Should we not communicate with each other reqularly in a short span of time, to keep continuity of knowing each other better., as well sharing knowledge between us and by the by solving each and every problem of ourselves and the Samaj as a whole. It is but pertinent that in all our get-together we should be discussing the nitty gitty of the mass of our Samaj. Topic should be chosen touching the mind and hearts of people and solved by the intelligentia of the Samaj. The V.V.I.P's and the literate mass are looked upon as role model by the younger generation, but should they not impart some valuable time of their's to the welfare of samaj.

"As service to the nation is a great job, so also serving selflessly for the samaj is a pious deed".

Thanking one & All

From :
Mansi Sahoo Advocate
Supreme Court
National President Mahila Wing

सम्पादकीय

भारत का 70 वां स्वाधीनता दिवस बड़े ही धूम–धाम से पूरे देश में मनाया गया। पिछले उन्हत्तर वर्षों में देश में आर्थिक, सामाजिक राजनी–तिक,सांस्कृतिक,भौतिक और तकनीकी सभी क्षेत्रों में तीव्र गति से परिवर्तन हुआ है। लेकिन इस सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि इक्कीसवीं शताब्दी में इन सभी क्षेत्रों में और भी तीव्र गति से परिवर्तन आयेंगे। अगर आगामी परिवर्तनों को दूरदृष्टि से नहीं आंका गया तो निश्चित ही बर्बादी और निराशा के अतिरिक्त कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। इसके लिए दूरगामी सोच, राजनीतिक परिपक्वता, प्रशासकीय इच्छाशक्ति और उपयुक्त सामाजिक वातावरण की परमावश्यकता है।

समाजोत्थान के क्षेत्र में हमें पूरी ईमानदारी से आत्मंथन करना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में हमारे समाज ने भी प्रगति की, परंतु उस प्रगति से समाज को क्या मिला?जो शिक्षित होकर अधिकारी बन गये वह समाज से इसलिए नहीं जुड़े कि उन्हें उनके साथी, सहयोगी या उनके वरिष्ठजन यह न जान जायें कि वह अमुक समाज के है, वह अपनी जाति छुपाने में ही अपने को गौरवान्वित समझते रहे, और वह प्रथा आज भी विधिवत और स्नेह पूर्वक आज भी इसी झूठे गर्व से चलाई जा रही है। जन्में तो उसी परिवार में हो जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अपमानित किया जाता है, शायद उस अपमान में इन्हीं अधिकारियों के भाई बन्धु और सम्बन्धी भी होंगे। इस पलायनवादी प्रक्रिया से समाजोत्थान नहीं होगा, उत्थान भागने से नहीं डटकर विरोध और मुकाबला करके परिवर्तन लाने से होगा। महात्मागांधी के इस देश में उन्हीं के वंशजों का यह हाल है जिनका इस देश परशासन करने का सर्वप्रथम अधिकार है। 'भागों नहीं, बदलो' वाले वाक्य को अमल में लाने से ही समाजोत्थान सम्भव है।

हमारे समाज के बुद्धजीवी वर्ग का यह हाल है तो स्वाभाविक है कि महिलायें प्रगति के हर क्षेत्र में काफी पीछें होंगी। आज के परिवर्तित युग में महिलाओं को सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की आवयकता है। विश्व बैंक के एक सर्वेक्षण के अनुसार महिलाओं को शिक्षित बनाना सबसे अच्छा किस्म का निवेश है। एक पुरूष को शिक्षित बनाने के मुकाबले एक महिला को शिक्षित बनाने से सामाजिक, आर्थिक लाभ अधिक होते हैं। विश्व बैंक ने आगाह किया है कि यदि विकासशील देशों को अपनी गरीबी दूर करनी है तो महिलाओं को शिक्षित बनाने के कार्य को प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय लोकतंत्र समानता और सामाजिक न्याय पर आधारित है। प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को पुरूषों के बराबर विकास करने के अधिकार प्राप्त हैं परंतु सामाजिक रूढ़ियों के कारण महिलाऐं न केवल शिक्षा के क्षेत्र में वरन् अन्य अनेक क्षेत्रों में पुरूषों की अपेक्षा काफी पीछे है। सर्वप्रथम पंचायत, नगर पालिका एवं नगर निगम के चुनावों से महिलाओं को आगे लाने का कार्य करना होगा। पंचायत में महिलाओं की भागीदारी का उदाहरण पूर्वोत्तर राज्यों और तमिलानाडु के सेलम जिले में देखा जा सकता है जहां उनकी भागीदारी से दहेजप्रथा,स्त्रियों की मृत्यु और उनके खिलाफ अन्य अपराध बन्द हो चुके हैं। उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि सामाजिक और आर्थिक सीमाएं महिलाओं की राजनीतिक सूझ–बूझ में बाधक नहीं है। भारत सरकार के 73 वें संशोधन अधिनियम के तहत राजनीतिक समानता एवं सत्ता में महिलाओं को भागीदारी देने का प्रयास सराहनीय है। इसके हमारे समाज की महिलाओं को आगे आना होगा।

चेतना के इस संदेश को 'चेतना संदेश' के द्वारा आप तक पहुंचाने का मेरा प्रयास है। पत्रिका के इसी अंक से कृषि चर्चा, फिल्म जगत उद्यम स्तम्भ बढ़ाये जा रहे हैं। अन्य स्तम्भ भी विचाराधीन हैं। पत्रिका को प्रत्येक स्वजातीय के घर में पहुंचाने की हमारी हार्दिक अभिलाषा है इस कार्य को आगे बढ़ाने का नैतिक कर्तव्य प्रत्येक स्वजातीय का भी है। पत्रिका के प्रकाशन का आधार विज्ञापन हैं इसलिए सभी स्वजातियों के करबद्ध प्रार्थना है कि आप अपने स्तर से मात्र एक विज्ञापन (जो आप चाहें) भेजने की कृपा करें इससे सम्पादक मण्डल का उत्साह वर्धन होगा और पत्रिका स्वतः प्रगति पथ पर अग्रसर रहेगी।

'चेतना संदेश' में प्रकाशनार्थ बहुउपयोगी एवं रोचक सामग्री सभी स्वजातियों से सादर आमंत्रित है। पत्रिका को और अधिक उपयोगी सुंदर और सारगर्भित बनाने के लिए मुझे आपके मार्गदर्शन और सहयोग की आवश्यकता है।

पत्रिका का यह अंग आपको और आपके परिवार के सदस्यों को कैसा लगा इस पर अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित करने की कृपा करें। पत्रिका के प्रकाशन के सभी सहयोगियों एवं विज्ञापन दाताओं के प्रति आभार प्रकट करता हूं। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पूर्व की भांति भविष्य में भी आप सभी का और प्रत्येक स्वजातीय का स्नेह, मार्गदर्शन और आर्शीवाद प्राप्त होता रहेगा।

रमाशंकर गुप्ता
एडवोकेट
मो0 : 9451403835

राम नरायन साहू भाषण राज्य सभा

श्री राम नरायन साहू का दिनांक 12-03-2007 को राज्य सभा मे दिया गया अभिभाषण

यह कहा गया कि चार नई बुलेट ट्रेन चलाई जा रही है, पूरे भारत के अंदर केवल चार नई बुलेट ट्रेन चलाई जा रही हैं।

श्री राम नारायण साहू (क्रमागत): लेकिन उत्तर प्रदेश इतना बड़ा प्रदेश है, उसको बिल्कुल नजरअंदाज कर दिया गया है।

श्री लालू प्रसाद : कहाँ चल रही है?

श्री राम नारायण साहू : अब आपने ही ने बजट बताया है कि चार बुलेट ट्रेन चलने जा रही है अगर चलनी है तो मेरा सुझाव यह है ....(व्यवधान) ..लालू जी , अर्जी हमारी, मर्जी है आपकी । हमारा सुझाव है कि एक बुलेट ट्रेन बनारस , लखनऊ , आगरा, दिल्ली और अगर उचित समझे तो अमृमसर तक बढ़ा दीजिए।

एक माननीय सदस्य : पटना तक नहीं ?

श्री राम नारायण साहू : हमने तो यह बताया है , अब आगे अगर बनारस जाकर पटना तक बढ़ा देते है तो हमें क्या ऐतराज है बढ़ा दें, बहुत अच्छी बात है।दूसरा मैं यह कहना चाहता हूँ कि नार्दन इंडिया में दिल्ली के बाद अगर कोई बड़ा शहर है तो वह है, लखनऊ । लखनऊ में जिस रफ्तार से , रबड़ की तर्ज से आबादी बढ़ रही है, उस स्थिति में जो भी योजनाएं आप बनाएंगे , वे अगर आप आज बनाने की सोचेगें तो आगे जाकर उसको बनने में टाइम लगेगा। बहुत अधिक तादाद में लखनऊ की आबादी बढ़ रही है, ऐसी स्थिति में लखनऊ के अंदर मेट्रो ट्रेन चलाने का मै सुझाव देता हूँ। मलिहाबाद से लेकर बछरावाँ तक और जरूरत पड़े तो उसे आगे चलकर रायबरेली तक बढ़ा दिया जाए और लखनऊ का जो बंथरा क्षेत्र है, उन्नाव के बॉर्डर के ऊपर , उस बंथरा क्षेत्र से लेकर , जो लखनऊ में आता है, वहाँ से लेकर बाराबंकी तक अगर आप चलाएंगे तो लखनऊ की जो एक अहम समस्या ट्राफिक की है , वह हल होगी। जिस तरीके से

दिल्ली के अंदर लोगों की सुविधा उससे मिल रही है, उन्हें भी उससे सुविधा मिलेगी और सही ढंग से लखनऊ में काम चलेगा। महोदय, स्टेशन पर जो अंडरग्राउण्ड रास्ते सामान ले जाने के लिए बने हुए हैं....(व्यवधान)....

श्री लालू प्रसाद : साहू जी , मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ। मेट्रो की बात आपने कही है ।

श्री राम नारायण साहू : अभी तो आप नोट कर लीजिए , बाद में उत्तर दीजिए। आप एक ही बार बोलिएगा।

श्री लालू प्रसाद : आपकी जानकारी के लिए बता देना चाहता हूँ। मेट्रो की बात आपने कही है करेक्ट कर लीजिए । वह महकमा अर्बन डिपार्टमेन्ट का है, रेल का नहीं है। मेट्रो अंडरग्राउण्ड जो मुम्बई में , आंध्र प्रदेश में , दिल्ली में चल रही है, उसके लिए पैसा राज्य सरकार देती है,

अर्बन डिपार्टमेन्ट प्रबंध करता है और टेक्नीकल असिस्टेंस हम देते हैं, बनवा देते हैं।

श्री राम नारायण साहू : मैंने आपसे अनुरोध किया, मैं राज्य सरकार से भी अनुरोध करूंगा।

श्री लालू प्रसाद : मेरा काम है आपको बताना।

श्री राम नारायण साहू : आपने बताया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : माननीय मंत्री जी, यह विषय बड़ा कंट्रोवर्शियल है।

-क्रमशः अगले अंक में

नारी-मुक्ति नहीं, नारी-शक्ति का आह्वान करें।

भारतीय समाज एवं संस्कृति में नारी का पुरूषों के समान ही नहीं बल्कि उससे बढ़ चढ़कर विशिष्ठ स्थान है। वह जगतधामी, मातृशक्ति, का प्रतीक है। भगवान मनु ने 'यत्र नार्यास्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' कहकर नारी की महानता और महत्ता को प्रकट किया है। पुराणों में कहा गया है कि सृष्टि के लिए उद्यत विधाता ने अपने शरीर को स्त्री और पुरूष रूप में दो समान भाग में विभक्त कर सृष्टि चक्र को प्रवर्तित किया है। हमारे सामाजिक अधिष्ठान में नारी को माता, पत्नी, भगिनी व पुत्री आदि रूप में जो प्रतिष्ठा थी उसी के कारण अपाला, गार्गी, जैसी विदुषियां, सीता, सावित्री जैसी सती साध्वियां पद्मिनी, लक्ष्मीबाई और दुर्गावती जैसी वीरांगनायें प्रत्येक युग में उत्पन्न हुई थी।

भारतीय नारी श्री हैं,शक्ति है, चिति है। उसकी मुस्कान में सृजन , उसके दूध में पोषण, उसकी आह में प्रलय निहित है। वह भोग्या नहीं आराध्या है। उसके मोह में स्नेह, बंधन में दान और जीवन में उत्सर्ग है। वह अपूर्ण से पूर्ण है। वह ही पति, पुत्र पिता भाई की प्रेरिका है तो नर को नारायण के रूप में सृजन करने वाली मां भी। उसके सम्मान से राष्ट्र समुन्नत हुआ और उसी के असम्मान के परिणाम स्वरूप राष्ट्र अवनति की ओर जा रहा है।

दासता के युग में विपरीत परिस्थितियों के कारण नारी की बराबरी की भागीदारी प्रभावित हुई और घर शिक्षा आदि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में पुरूषों से पिछड़ गई। बाद में पुरूष के अंहकार तथा अपनी श्रेष्ठता की विकृत सोच के कारण शनैःशनै स्त्री का महत्व गिरता ही चला गया और आज वह सब प्रकार से पिछड़ेपन का, हीनता की भावना का शिकार है। पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव व चकाचौंध के कारण इधर उसमें अनेक विकृतियां आ गई हैं और आज वह अपनी संस्कृति व परम्पराओं से अप्रभावित होकर अपनी परम्परागत दहनीय भूमिका में भी विफल होकर भटकने की ओर अग्रसर है। मध्यकालीन दासता की त्रासदी ने भी नारी जाति को अत्यधिक प्रभावित किया। ओह! कितना था उत्पीड़न, कितनी विवश्ता,शोषण, अत्याचार, आंसूओं से संक्त सम्पूर्ण जीवन, सिसकती उच्च आंकाक्षायें, ज्ञानहीन होता मन, स्वयं की शक्ति के आभास की शून्यता न आत्मविकास का अधिकार न आत्मनिर्णय का। केवल दोहन,शोषण यह अभीप्सित बना था उसका आज समय के साथ-साथ जीवन मूल्यों में बदलाव आया है। अब वह हर क्षेत्र में पुरूष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। कानून ने नारी को अधिकार दिये फिर भी सामाजिक जीवन और अवधारणाओं में वह परिवर्तन नहीं आया जिसकी नारी का अपेक्षा है। आज स्वतंत्रता के नाम परशहरों में आंदोलन करती तख्ती टांगे, अधिकारों के लिए गरजती नारियां देखी जा सकती हैं। नारी स्वतंत्रता कानून मिल जाने पर भी भारतीय समाज के स्वीकृत अपने कानून है। अतः स्वतंत्रता के नाम पर पाश्चात्य सभ्यता का अन्धानुकरण करना उचित प्रतीत नहीं होता है और नारी समुदाय अतिवादिता से ग्रस्त दिखाई देता है। ऐसी महिलायें अपने जीवन को बिल्कुल अपने ही हिसाब से जीना चाहती है। दूसरी ओर आर्थिक स्तर पर स्वतंत्र होकर शिक्षित होकर भी जो नारी सामाजिक घुटन व त्रासदी का शिकार हैं वह भी अतिवादिता की शिकार हैं।

सही अर्थों में देखा जाये तो नारी स्वतंत्रता किसी भी मानव जाति और समाज के लिए वरदान है। उससे समाज का बहुत बड़ा अंग विकास के लिए तैयार होता है। यदि किसी अर्थों में नारी स्वतंत्रता की गुणवत्ता हमारा समाज स्वीकार कर ले तो इसके लिए न सरकार को उतनी कोशिश करनी पड़े और न नारी को इस रूप में ही अपना संघर्ष करना पड़ेगा। नारी स्वतंत्रता का मूल अर्थ देखें तो इसका सूत्र सीधे नारी के सम्पूर्ण विकास से जुड़ा हुआ है। उसे शारीरिक और मानसिक विकास के पूर्ण अवसर मिलें, उसकी श्रमशक्ति पर भरोसा किया जाये, सामाजिक उपेक्षा न हो, विकास के कार्यों में उसकी भागीदारी श्रेय समझी जाये, परम्परागत छवि में बदलाव लाया जाये। स्त्री को न देवता बनकर गौरवान्वित होना चरणों की दासी बनकर दासता स्वीकार करनी है। स्त्री और पुरूषों के नैसर्गिक उदात्त गुणों के समन्वय में ही समाजोत्थान निहित है। नारी यदि पग-पग पर नर से रक्षित है तो नर भी पग-पग पर नारी से पोषित व रक्षित है।

अतः आइये! हम सभी अपने जातीय परिवेश में नारी से सम्बधित ऐसे ही विचारों का सृजन करें कि हम सहज रूप में अपने समाज के उत्थान कार्य में उनका योगदान जोड़ सकें। नारीशक्ति के असाधारण सहकार्य से समाज जीवन की जटिल समस्यायें स्वाभाविक रूप से सुलझाती नजर आने लगेंगी।

जितेंद्र माथुर
राष्ट्रीय प्रभारी एवं प्रधान सम्पादक

लक्ष्य युक्त मार्ग चुने-युवा

आज का युवा भाई ही हमारे समाज में जाति की पहचान बनायेगा, इसलिए हर भाई को अपने अंदर की शक्ति को पहचान कर समाज में आगें बढ़ने के लिए लक्ष्य बनाना होगा और लक्ष्य को पाने के लिए जुनून ऐसा की रातों की नींद उड़ जाये जब आपको नींद नहीं आयेगी तो लक्ष्य को पाने के बहुत से रास्ते सामने आयेगे। कुछ लोग आपकी हंसी उड़ायेंगे और टिप्पणी भी करेंगे लेकिन आपको अपने कदम पीछे नहीं खींचना है और लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना है क्योंकि जिसने भी कभी टीका टिप्पणी और आलोचनाओं की परवाह नहीं की उसी ने कामयाबी की नई बुनियाद स्थापित की है। ऊपरवाले ने सभी इंसानों को एक जैसा बनाया है, कुछ अपने कर्म और लगन से ऊचांई में पहुंच जाते हैं। कुछ अपनी जिंदगी मात्र बसर करते हैं। मेरा कहना है हर युवा भाई को अपना नाम शिखर पर पहुंचाने वाले इंसानों की सूचीं में रखना है और अपने जीवन के मूल्यों को समझकर और अंदर कीशक्ति को पहचान कर आत्मविश्वास बढ़ाना है। यही आत्मविश्वास ही आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचायेंगा। क्योंकि जीवन का आशय सिर्फ खाना और कपड़ें नहीं है। खाना और कपड़ें के अलावा भी बहुत कुछ है। लोग कहते हैं पैसे के पीछे नहीं भागना चाहिए। क्योंकि उन्हें पता है कामयाब व्यक्ति पैसे केपीछे नहीं काम के पीछे भागते हैं और जब वह काम करता है तो पैसा काम के पीछे भागता है। अगर दुनिया का हर युवा यही सोचता कि जो उसी में खुश रहो और आराम की जिंदगी व्यतीत करे तो युवा शिखर पर नहीं पहुंच सकता है। मेरा कहना है कि हर व्यक्ति के अंदर कुछ ऐसा है जिससे वह अपनी अलग पहचान बना सकता है। इसलिए व्यक्ति को अपने अंदर से आत्मविश्वास के साथ उस हुनर को बाहर निकाल कर लक्ष्य बनाकर काम करना चाहिए। लेकिन हमने देखा है अधिकतर लोगों के अंदर आत्मविश्वास की कमी है। वह कोई भी काम करने से पहले ही अपने कदम पीछे कर लेते हैं। यह सोचकर ही हम असफल न हो जाये इसलिए कुछ सोचने और कहने से पहले आत्मविश्वास बढ़ाकर किसी भी काम और परेशानियों को चुनौती की तरह स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए अगर आप से गलतियां होती है तो समझ लीजिए कि 'Mistskes are the proof of trying' इसलिए बिना सफलता के बारे में सोचे आगे बढ़ना चाहिए और एक मंजिल बना लेनी चाहिए सफलता के पीछे व्यक्ति की रूचि का भी बहुत बड़ा कारण है। हर व्यक्ति को अपने रूचि को समझ कर ही अपना लक्ष्य बनाना चाहिए क्योंकि कहते हैं कि व्यक्ति बिना रूचि के किसी भी काम को मेहनत और लगनपूर्वक नहीं कर सकता हम सबको मिलकर अपने युवा शक्ति को उसके रूचि के अनुसार लक्ष्य बनाकर उसको पाने में मदद करनी चाहिए और उसके अंदर लगन पैदा करनी चाहिए कि अगर कोई और इस काम को कर सकता है तो आप क्यों नहीं?कोई भी काम मुश्किल नहीं है व्यक्ति के अंदर इसको पाने की एक लगन और इच्छा होनी चाहिए क्योंकि आपकी इच्छा और लगन ही आपको आपकी मंजिल तक पहुंचायेगी। हर युवा संकल्प करें कि अपनी शक्ति को पहचानेगें। उस शक्ति से लक्ष्य बनाकर कामयाबी की बुनियाद बनायेंगे। जय युवाशक्ति

डा. उमेश नन्दलाल साहू
राष्ट्रीय कार्यवाक अध्यक्ष, नागपुर

युवा-पत्रकारिता को कैरियर बनाकर संवारे भविष्य

अगर आप नौकरी ढूंढ रहे हैं तो एक बार आपको मीडिया के क्षेत्र में आने के बारे में जरूर सोचना चाहिए क्योंकि यहां आपको वो सभी कुछ मिल सकता है जो आपको एक बेहतरीन कैरियर बनाने में मदद कर सकता है इसके लिए आपके मन में प्रत्येक बात के लिए जानने की इच्छा होना चाहिए अर्थात क्यूरिसिटी का होना जरूरी है अब आपके मन में प्रश्न आ रहा होगा कि शुरूआत कैसे करें तो सबसे पहले जहां आप रहते हैं या जहां भी आप जाते हैं वहां आपको और लोगों को क्या समस्याए होती हैं। उस पर गौर करें उसका क्या समाधान हो सकता है और किस विभाग से संबंधित वो समस्या हैं ये सारी बातें क्रमबद्ध तरीके से सारांश के रूप में लिखकर उसे अपने आस पास के अखबारों में पोस्ट कर दें। अखबार का पता आमतौर पर अंतिम पृष्ठ पर दिया होता है जब आपकी बात प्रकाशित होने लगे तो समझ लीजिए कि आप सही रास्ते पर चल रहें हैं इस तरह के पेपर को एकत्र करते रहिए जब इस तरह के काफी समाचार हो जायें तो उसी अखबार में अपनेशैक्षिक बायोडाटा के साथ संवाद सूत्र नामक पद के लिए आवेदन करें ये वो कार्य होता है जिसमें आपको अपने क्षेत्र के समाचार अखबार को देने होते हैं इसके बदले में आपको कुछ धन मानदेय के रूप में मिलता है। इसके बाद आगे पद का प्रमोशन होता जायेगा। और सैलरी बढ़ती जायेगी। इस क्षेत्र में जल्दी तरक्की का एक मूलमंत्र भी है वो यह कि समाज में घोटालों और अपराधों की बाढ़ आयी हुई है इनमें से अगर एक भी आपके द्वारा पर्दाफाश हो गया तो फिर बड़े-बड़े प्रकाशन ग्रुप और चैनल आपको अपने यहां नौकरी के लिए आफर देंगे। पत्रकारिता ही एक ऐसा क्षेत्र हैं जहां आप अपने साथ समाज के प्रति भी एक जिम्मेदारी निभाते हैं साथ ही जिस जाति धर्म में अपने जन्म लिया उसको आगे लेकर जाने में अन्य समाज को अपने महापुरूषों के बारे मे ंबताने में आपका महत्वपूर्ण योगदान होता है क्योंकि जिस समाज में मीडिया नहीं होता उसके पास सब कुछ होते हुए भी कोई जान नहीं पाता कि इस समाज का भी भारत को बनाने में आजादी दिलाने में योगदान रहा है अक्सर लोग कहते सुने जाते हैं कि इस क्षेत्र में कमाई कम है जबकि मेरा मानना है कि यहां से अधिक मान-सम्मान और धन कम ही जगह है आप जानना चाहे रहे हैं कैसे तो जब आप पत्रकार बन जाते हैं। आपका व्यवहार अच्छा होता है तो ऐसे लोग आपको सम्मान देते हैं आपके सम्पर्क में आते हैं जो समाज में बड़े पदों पर कार्यरत होते हैं या नामचीन हस्ती होते हैं इसके माध्यम से आप अपने परिवार को बिजनेस करानें मे ंसहयोग ले सकते हैं योजनाओं की जानकारी लेकर उनका लाभ ले सकते हैं अन्य कई सम्बंधित कार्य करा सकते हैं। समाज में लोगों की मदद करने वालों को जनता प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक बना देती है और मदद जब ही कर पायेंगे जब आप मीडिया में होंगे क्योंकि मीडिया की जितनी बात सुनी जाती है उतनी और किसी की नहीं ऐसा नहीं है कि आप पत्रकार ही बनें और भी कई क्षेत्र हैं अगर आपकी आवाज अच्छी है और आपके बोलने को लोग पसंद करते हैं तो आप समाचार वाचक अर्थात न्यूज ऐंकर बन जाइये अगर फोटोग्राफी या वीडियों कैमरा चलाने का शौक है तो कैमरामैन बन जाइये इसके अलावा मीडिया हाउस में टैक्निकल पदों की मांग होती है एडीटिंग से लेकर कम्पोजिग तक कई कार्य होते हैं जहां इस क्षेत्र में कैरियर बनाया जा सकता है। इसके लिए डिप्लोमा कोर्स भारत सरकार का लघु उद्योग मंत्रालय भी कराता है और लखनऊ का इग्नू संस्थान भी जिसे एमएमआई से गूगल पर सर्च किया जा सकता है। अगर आपके बड़े बिजनेस करने वालों से संबंध हैं तो आप स्वयं का अखबार भी उनसे विज्ञापन लेकर प्रारंभ कर सकते हैं।

अरविन्द गांधी
राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)
मो० : 9415813210

आलस्य का त्याग

हम सभी को बचपन से ही अपने भीतर अच्छे संस्कारों, अच्छे विचारों और अच्छे कार्यों के बीज अंकुरित करने का प्रयास करना चाहिए। इस कार्य के लिए प्रातः काल का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसलिए प्रतिदिन प्रातःकाल अपनी आंखों को बंद करके परमात्मा से प्रार्थना करें कि हे परमात्मा! आप मुझमें शक्ति प्रदान करो। मेरे रोम-रोम को स्वस्थ करो। यह सुनिश्चित करो कि पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश मेरे शरीर को स्वस्थ रखें ताकि मैं अपने जीवन को शक्तिशाली बनाकर रख सकूं। मेरा मानना है कि यदि आप अपने जीवन के बारे में उत्तम विचार रखते हैं, तो आपका जीवन उत्तम बनेगा और यदि आप जीवन के प्रति नकारात्मक भाव रखते हैं तो आपका सारा जीवन नकारात्मक बन जाएगा। आपकेशरीर में जो जीवनी शक्ति है वह नकारात्मक बन जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि आपका शरीर आपके ही विचारों से प्रभावित होता है। जैसा आपका विचार होगा, वैसा ही आपका जीवन भी होगा। जो लोग जीवन को आनंद के रूप में ऐश्वर्य के रूप में सफलता के रूप में संगीत के रूप में स्वीकार करते हैं, उनका जीवन आनंदमय हो जाता है। ऐश्वर्यमान हो जाता है। संगीतमय हो जाता है। दूसरी ओर ऐसे भी लोग है, जो जीवन को निराशा, असफलता और विपत्ति के रूप में स्वीकार करते हैं, लिहाजा उनका जीवन आंसू बनकर बह जाता है।

अब प्रश्न यह उठता है कि हम अपने जीवन के आनंद के रूप में स्वीकार करते हैं या दुख के सागर के रूप में स्वीकार करते हैं। जीवन को इससे कुछ लेना-देना नहीं है कि वह आपके जीवन में दुख लेकर आए या सुख लेकर। जीवन तो सीधा जीवन है। आप सब लोग एक संपूर्ण जीवन के स्वामी है। यदि आपके जीवन में कोई विकृति है तो प्रतिदिन प्रातःकाल यह संकल्प लें कि अब मेरा विकार नष्ट हो रहा हैं । मेरे जीवन में अब सद्गुण का उदय हो रहा हैं। ऐसे विचारों को प्रतिदिन प्रसन्नतापूर्वक, मुस्कराते हुए स्वीकार करना चाहिए और मन में संकल्प लेना चाहिए कि मैं प्रतिक्षण क्रियाशील बना रहूंगा। आलस्य का त्याग करूंगा। किसी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करूगा। लोगों से हमेशा मुस्कराते हुए बातचीत करूंगा। क्रोध पर विजय प्राप्त करूंगा और मन की सारी बुरी भावनाओं का त्याग कर दूंगा।

इन्द्रजीत साहू
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
मो० 9415440349

विनम्र निवेदन

समाज के पूर्णतः समर्पित पत्रिका चेतना संदेश में प्रकाशनार्थ साहित्य की सभी विधाओं की श्रेष्ठ एवम् अप्रकाशित रचनाए आमंत्रित हैं।

१. रचना साफ-साफ हस्तलिखित हो टाइप की हुई हो। रचना के अन्त में पूरा पता व हस्ताक्षर होना आवश्यक है।

२. प्रकाशित रचनाओं में किसी भी प्रकार का मानदे पारश्रमिक देना सम्भव नहीं है।

३. अपने क्षेत्र में होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की सचित्र रिपोर्ट भी भेजे हम उन्हें सहर्ष स्वागत करते हैं।

४. पत्रिका आपसे सभी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा रखती है आप स्वयं एवं समाज प्रेमी बंधुओं, एवं सम्बंधित संस्थाओं को इसके सहयोग के लिए प्रेरित करें।

५. रचना का स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सम्पादक मण्डज की बैठक में किया जायेगा।

६. प्रकाशित रचना में रचनाकार के स्वयं के विचार हो इसमें सम्पादक एवं प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं हो।

७. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जनपद लखनऊ (उ.प्र.) होगा।

-संपादक

कामता प्रसाद कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि.
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : 05495-233978

नीलकण्ठ फिलिंग स्टेशन
दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर, फोन : 05495-233878

नीलाम्बर पेट्रोलियम
मेह नगर, आजमगढ़

नीलकण्ठ एग्रो इन्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : 05495-233978

नीलकण्ठ एच.पी. ग्रामीण गैस वितरक
जलालाबाद, गाजीपुर, फोन : 05495-233678

महा कालेश्वर फिलिंग स्टेशन
शंकरपुर, ओड़राई-गाजीपुर

नीलकण्ठ कम्प्यूटर धर्मकांटा
हरदासपुर खुर्द, जलालाबाद, गाजीपुर

महा कालेश्वर एग्रो इण्डस्ट्रीज
हरदासपुर खुर्द, दुल्लहपुर, जिला-गाजीपुर : फोन : 05495-233778

जै किशन साहू
पूर्व उपाध्यक्ष- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (उत्तर प्रदेश सरकार)।
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा।
प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य : समाजवादी पार्टी उ0प्र0।
कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैण्ट रोड़ कैसरबाग, लखनऊ।
सम्पर्क : 0522-2628182 (कार्यालय) : 0522-4004192 (फैक्स)
निवास : ग्राम व पोस्ट - जलालाबाद, जनपद-गाजीपुर-275202
मोबाइल : 9415241047, 9451177436, 9670628496

मुम्बई के युवा सम्मेलन में श्री अरविन्द गांधी, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन का स्वागत एवं श्री मेवालाल साहू राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष्य का स्वागत करते हुए मुम्बई के पदाधिकारी।

लखनऊ मे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा श्री अरविन्द गांधी को सदस्यता ग्रहण कराते हुए

लखनऊ मे संस्था के रा. का. अध्यक्ष श्री उमेशनन्द लाल शाहू का स्वागत करते संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री डी.सी. गुप्ता।

बरेली के कार्यक्रम मे श्री एस.पी. राठौर को मनोनयन पत्र देते हुए प्रदेश महामंत्री श्री सेवाराम राठौर व अतिरिक्त महामंत्री आनन्द नरायन साहू।

मुम्बई संस्था का प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए मुम्बई के अध्यक्ष श्री मोहन गुप्ता एवं रतिलाल गुप्ता।

नई दिल्ली में मा0 गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से समाज के लिए वार्ता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री रामनरायन साहू, पूर्व सांसद।

लखनऊ में मा0 प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव प्रसाद मौर्य जी से समाज के लिए वार्ता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री रामनरायन साहू, पूर्व सांसद।

शाहजहाँपुर के जिला सम्मेलन मे प्रदेश अध्यक्ष श्री डी.सी.गुप्ता का सम्मान करते हुए जिलाध्यक्ष डा. विनोद राठौर।

लखनऊ के प्रांतीय बैठक मे सम्मानित मंच।

झांसी मे राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष रमाशंकर गुप्ता का स्वागत करते श्री जगदीश साहू।

अहंकार त्यागें

किसी फकीर के पास एक सेठ ज्ञान लेने पहुंचा। उसने कहा, फकीर बादशाह! मुझे समझाओं कि इंसान दुनिया में कैसे सुखी रहे और भगवान को कैसे पाए?उस फकीर ने एक उपदेश दिया, देखो भाई! निर्भार (भार रहित) होकर ही भगवान तक पहुंच सकते हो। अपने आपको हल्का करना शुरू करो, बोझ न बढ़ाओं।'

सेठ ने कहा, महाराज! मैं आपका उपदेश समझा नहीं, आप क्या कहना चाहते हैं?तो उन्होंने कहा, ऐसा करो कि यह जो पहाड़ है, इसकी थोड़ी-सी ऊंचाई पर मैंने एक स्थान बनाया है, जहां मैं रहता हूं। मेरे पास ये छोटे-छोटे पांच पत्थर हैं। तुम इसे वहां ऊपर तक पहुंचा दो। उसके बाद मैं तुम्हें उपदेश दूंगा। मैं बूढ़ा हूं इसलिए धीरे-धीरे आराम से आऊंगा। तुम जल्दी जाओ और ऊपर पहुंच कर मेरा इंतजार करो।'उन्होंनें सेठ को छोटे-छोटे पांच पत्थर दिए। वे छोटे पत्थर भी कम भारी नहीं थे। उस आदमी ने उठा तो लिए, लेकिन जैसे-जैसे वह ऊपर चढ़ने लगा तो बोझ भारी लगने लगा, चढ़ाई भी सख्त थी। चढ़ाई आसानी से चढ़ने के लिए,बोझ हल्का करने के लिए उसने एक पत्थर कम किया। हल्का लगा तो थोड़ा और ऊपर चढ़ा, लेकिन थोड़ी देर बाद बोझ फिर भारी लगने लगा तो एक पत्थर और हटाया।

कुछ दूर ऊंचाई पर आ गया तो उसे लगा कि और ऊंचाई पर जाना है, कुछ भार और हल्का करना पड़ेगा। जब उसने देखा कि गन्तव्य स्थल पर पहुंचने के लिए बोझ छोड़ना ही पड़ेगा तो उसने सारे पत्थर फेंके और ऊपर आ गया। सेठ थका हार खड़ा होकर देखता है कि फकीर भी सामने खड़े हैं। कहने लगा, आपने कहा था कि पांच पत्थरों का बोझ लेकर ऊपर चढ़ना है लेकिन मैं इतने बोझ के साथ नहीं चढ़ सका। मैं आपकी परीक्षा में सफल नहीं हो पाया हूं। अब आप मुझे जो उपदेश देना चाहें कृपा कर दीजिए।

महात्मा ने बड़े प्यार से उसे बैठाया और कहा, देखो भाई, इंसान जैसे-जैसे ऊंचाई पर पहुंचता जाता है उसे अपने आपको हल्का करना ही पड़ता है। अगर तुम अपने आपको हल्का करना हो तो यहां तक नहीं पहुंच सकते थे। ऊंचाई तक जाने के लिएबहुत सारी कठिनाइयां आती हैं तो अपने को हल्का करना जरूरी है। देखो! जो पांच पत्थर मैंने तुम्हें दिये थे वे और कुछ नहीं। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार हैं। आदमी इन पांच पत्थरों को फेंककर ही ऊंचाई पर चढ़ सकता है। भगवान के मंदिर तक पहुंचना आसान नहीं है, परंतु वास्तव में इतना आसान भी है कि तुम अपने भार को हल्का कर एक झटके में वहां तक पहुंच सकते हो। आनंद की बात तो यह है कि जैसे ही तुमने पहला पत्थर फेंका तुम्हारी हिम्मत बढ़ी हृदय में खुशी आई और लगा कि रास्ते में कठिनाई तो है लेकिन फिर भी पूरा चढ़ जाने की उम्मीद बनी। ऐसे ही तुम जैसे-जैसे अपने आपकोशक्तिशाली बनाते जाओगे तो तुम्हारे अंदर प्रसन्नता आएगी। इंसान जहां-जहां भी बंधा हुआ है। मजबूर है, बेबस है, वहीं उस पर कोई-न-कोई भार लदा हुआ है। कहीं हम अपने स्वाद के बोझ के तले दबे हुए हैं, जिस पर नियंत्रण पा सकते हैं लेकिन कोशिश ही नहीं करते। इंसान अपनी मजबूरियों की रस्सियों को खोलने की कोशिश करें।

किसी युग में संत और ज्ञानी-ध्यानी लोग थे, चारों ओरशांति थी। कुछ लोग यदि आक्रांत भी होते थे तो संतों की वाणी से लोगों को चैन मिलता था। उन वाणी को आज भी पढ़ें तो मन को चैन मिलता है। अपने अहंकार का परित्याग करो, विनम्रता अपना लो। जो निर्भार बनकर जी रहा है, वह तो पार उतर गया है और जिसने अपने अंदर अहंकार अभिमान पाल लिया, वह पार नहीं हो पाता।

विजय लक्ष्मी साहू
महिला प्रदेश अध्यक्ष,उ.प्र.
मो० 7309155011

मा0 तै0 साहू राठौर जिन्दाबाद।
राम नरायन साहू जिन्दाबाद !

महात्मा गांधी अमर रहें !
साहू समाज जिन्दाबाद !

अरविन्द गांधी (एडवोकेट)

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

प्रदेश उपाध्यक्ष

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल उ.प्र.

प्रदेश संयोजक

जन सेवा केन्द्र एसोसिएशन, उ0प्र0

पूर्व सांसद प्रतिनिधि :

मा0 राम नरायन साहू जी

(पूर्व राज्यसभा सदस्य)

सदस्य : जिला उद्योग/व्यापार बन्धु बलिया

सदस्य : जिला पशुक्रूरता निवारण समिति, बलिया

सदस्य संरक्षक मण्डल : (चेतना संदेश, पत्रिका)

मो0 : 9415813210, 7524827700

कार्यालय : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ

मो0 09415813210,07524827700
E-mail : gandhiballia@gmail.com
E-mail: bhartiyatailikmahasabha@gmail.com
facebook : Arvind Gandhi, ballia

भारतवर्ष में १६ वीं लोकसभा में साहू समाज के विजयी सांसद जिन पर साहू समाज को गर्व है

माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी

साहू समाज के माननीया माता हीराबेन एवं पिता श्री दामोदर दास मूलचंद के ६४ वर्षीय पुत्र मा.नरेंद्र मोदी जी प्रथम बार वाराणसी उ.प्र. से सांसद निर्वाचित हुए हैं। इनके नेतृत्व में भाजपा ने १६वीं लोकसभा का चुनाव लड़ा और मिशन २७२ हासिल कर देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद इन्हीं के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखण्ड में भारी बहुमत से सरकार बनाई और जम्मू-कश्मीर में २८ विधायक विजयी होकर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की। माननीय मोदी जी को विजय रथ लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है। भारतवर्ष पुनः विश्वगुरू बनेगा। इसके पूर्व माननीय मोदी जी १३ वर्षों तक गुजरात से सफल मुख्यमंत्री रहे और देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपना डंका बजवाया। माननीय मोदी जी गुजरात विश्वविद्यालय से परास्नातक एम.एस.सी है और उत्तरी गुजरात के बडनगर मेहराणा के रहने वाले कुशल प्रशासक विकास पुरूष प्रखर वक्ता, चतुरवाक पटुता, कुशल व्यवस्थापक, कुशल नीति नियंता, विधिवेता, कुशल संगठनकर्ता, ईमानदार, लगनशील, कठोर परिश्रमी, आत्मविश्वास के धनी विख्यात पुरूष हैं। इनका पता ७ रेसकोर्स नई दिल्ली है।

माननीय पीसी गद्दीगौदर

बांगलकोट (कर्नाटक) वासी ६० वर्षीय श्री पर्वतागौड़ा गद्दीगौदर भाजपा से तीसरी बार बांगलकोट लोक सभा संसदीय बने हैं। इन्होंने बी.ए. व एल.एल.बी. की शिक्षा प्राप्त की है। ये सन् १९८८ में कर्नाटक विधान परिषद के सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। ये १४ वीं लोकसभा १५वीं लोकसभा के साथ ही १६ वीं लोकसभा में भी पुनः विजयी हुए है। ये सरल स्वाभाव के मृदुभाषी हैं।

माननीय चन्दूलाल साहू

राजिम (छत्तीसगढ़) वासी ५४ वर्षीय श्री चन्दूलाल साहू भाजपा से दूसरी बार महासमुंद लोकसभा संसदीय क्षेत्र से सांसद बने है। इन्होंने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी को कांटे की टक्कर के फलस्वरूप हराया है। इन्होंने बीकाम व एलएलबी की शिक्षा प्राप्त की है। ये सन् २००३ में छत्तीसगढ़ विधानसभा के विधायक भी रह चुके हैं। १५वीं लोकसभा के साथ ही १६वीं लोकसभा में पुनः विजयी हुए हैं। ये गंभीर एवंशांत स्वाभाव के हैं।

माननीय रामदास तड़स

देवली वासी ६१ वर्षीय श्री रामदास चन्द्रभान जी वर्धा लोकसभा संसदीय क्षेत्र. महाराष्ट्र राज्य में है, वहां से सांसद चुने गये हैं। ये वर्तमान में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। यह महाराष्ट्र विधान परिषद के १२ वर्षों (११६४-२००५) तक सदस्य रहे। देवली नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के पद को १५ वर्षों (१९९५-२०१०) तक इन्होंने सुशोभित किया। गत १५ सालों से इनकी पत्नी श्रीमतीशोभा रामदास तड़स देवली नगर पालिका की अध्यक्ष है। ये तेली जाति के साथ

मा० नरेन्द्र मोदी

मा.पी.सी. गद्दीगौदर

मा. चन्दूलाल साहू

मा. रामदास तडस

मा. रामेश्वर तेली

मा. ताम्रध्वज साहू

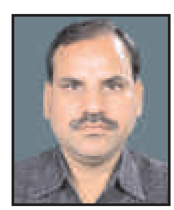
मा. लखनलाल साहू

भारतवर्ष के साहू समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

जवाहर लाल साहू

सदस्य -उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग

पूर्व प्रदेश महासचिव - समाजवादी पार्टी, उत्तर प्रदेश

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष- समाजवादी पार्टी व्यापार सभा उत्तर प्रदेश

पूर्व प्रभारी- लोक सभा क्षेत्र-बहराइच

आजीवन सदस्य- समाजवादी बुलेटिन, पत्रिका

आजीवन सदस्य- अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा

आजीवन सदस्य - उत्तर प्रदेश तैलिक साहू महासभा

पूर्व प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष- उ0प्र0 साहू राठौर चेतना समिति

राष्ट्रीय सलाहकार- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

आजीवन सदस्य - स्नेही क्लब इण्टरनेशनल

सदस्य - साहू समाज धर्मशाला समिति, जौनपुर

पार्टी कार्यालय- 19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ (उ0प्र0)
फोन : 0522-2235454 फैक्स- 0522-2238520
आयोग कार्यालय- तृतीय तल इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ
फोन : 0522-2287876 फैक्स- 0522-2267215

निवास- 5/30 विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010
निवास- रिज़वी खॉ, हरलालका रोड, जौनपुर (उ0प्र0)
मोबाइल : 9305408981, 09580502732, 09839136024,

ही महाराष्ट्र प्रदेश में पिछड़ी जाति के सर्वमान्य नेता है। ये पिछड़ों के हक व उत्थान के लिए सदैव संघर्षरत रहते हैं।

माननीय रामेश्वर तेली

टिपलिंग निवासी ४३ वर्षीय श्री रामेश्वर तेली असम के डिब्रूगढ़ संसदीय क्षेत्र के सांसद बने हैं। ये वर्तमान में चाय मोर्चा, असम के अध्यक्ष है। ये असम विधान सभा के सदस्य दुलियाजान क्षेत्र से २००१-२०११ तक रहे। ये असम विधान सभा के डिप्टी लीडर, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री के साथ ही मजदूर महासभा, असम के अध्यक्ष रहे चुके हैं। येशुरू से गरीबशोषित, मजदूर वर्ग के उत्थान से समर्पित हैं। इनकी सादगी से क्षेत्र की जनता काफी प्रभावित है।

माननीय ताम्रध्वज साहू

दुर्गवासी ६५ वर्षीय श्री ताम्रध्वज साहु कांग्रेस से प्रथम बार छत्तीसगढ़ राज्य से आने वाली दुर्ग लोगसभा संसदीय हैं। ये पेशे से किसान हैं। ये छत्तीसगढ़ साहु समाज के सात वर्षों (१९९३-२००१) तक प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। ये बेमतरा विधानसभा से २००८-१३ तथा धमधा विधानसभा क्षेत्र १९९८-२००३,२००३,२००८ तक विधायक रहे हैं। छत्तीसगढ़ में साहू समाज के संगठन का विस्तार देने में इनका सराहनीय योगदान है।

माननीय लखनलाल साहू

मुंगेली वासी ४३ वर्षीय श्री लखनलाल साहू भाजपा से प्रथम बार विलासपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र जो कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में आता है, वहां से सांसद चुने गये हैं। ये पेशे से अधिवक्ता हैं। इनकी एमए (हिन्दी साहित्य) एवं एलएलबी कीशैक्षणिक उपलब्धी है। ये वर्तमान में भाजपा मुंगेली जिले के जिलाध्यक्ष के साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू समाज के आडिटर भी हैं। छत्तीसगढ़ में साहू समाज को गति एवं दिशा देने में इनकी महती भूमिका है।

–सम्पादक

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

गांधी डी० सी० गुप्ता

(प्रदेश अध्यक्ष)

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

मोबाइल : 9450638204

श्रीमती गांधी प्रमिला गुप्ता

प्रदेश संगठन मंत्री

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

मोबाइल : 9454512065

अभिकर्ता : साहू लैण्ड डेवलपर्स प्रा० लि० एवं

साहू इन्वेस्टमेन्ट म्यूचुअल बेनीफिट कं० हजरतगंज, लखनऊ

साहू कॉलोनाइजर्स प्रा0लि0

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

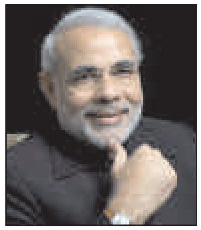

मोहन लाल गुप्ता

राष्ट्रीय सचिव,

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

अनुज गुप्ता

छात्र एवं कार्यकर्ता :

भारतीय जनता पार्टी, युवा मोर्चा

कार्या. - शुभम सिनेमा बिल्डिंग कैण्ट रोड, कैसरबाग,लखनऊ,उ.प्र.

निवास - 4/862 विकासनगर, लखनऊ। मो0 9415576867

'समाज को सक्रिय संगठन की आवश्यकता'

आज एक नई सीख मिली जब अंगूर खरीदने बाजार गया तो दुकानदार से पूछा 'क्या भाव है?वह बोला, ८० रूपये किलो। पास ही कुछ अंगूर के दाने पड़े हुए थे।

मैने पूछा क्या भाव है इनका। वह बोला ३० रूपये किलो। मैंने पूछा इतना कम दाम क्यों?वह बोला साहब है तो वो भी बहुत बढ़िया लेकिन अपने गुच्छे से टूट गये हैं।

दुकानदार का ऐसा प्रेरणास्पद उत्तर पाकर मैं अवाक रह गया। उसके शब्दों पर गहनता से विचार किया तो पाया कि इसी तरह अपने परिवार, संगठन व समाज से टूटने पर हमारी कीमत आधे से भी कम रह जाती है। अंग्रेजी मे 'एक कहावत है। 'united we stand, divided we fall.'

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और अन्य प्राणियों में श्रेष्ठ है। ध्यान से देखोंगे ते पाओगे कि चींटी से लेकर हाथी औरशेर, चिड़ियां से लेकर मोर तक सभी संगठित होकर ही बेहतर जीवन जीते हैं। जहां भी संगठन में कमी दिखी, दूसरा प्राणी वर्ग अपने से भी बड़े को पराजित करने में देर नहीं करता है। संगठित भैसेशेर का शिकार कर देते हैं। मनुष्य जीव जगत का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है, इसने अपने उन्नत मस्तिष्क के बल पर ही जीव जगत को अपने अधीन कर दिखाया है, परंतु फिर भी उसे अपने बेहतर जीवन यापन हेतु अन्य पर निर्भर रहना ही पड़ता है।

अकेला व्यक्ति चाहकर भी जीवन जीने की सभी सुविधायें नहीं जुटा सकता है। व्यक्ति परिवार के बिना अधूरा है, उसी प्रकार समाज के बिना। आज हम इक्कीसवीं सदी में चाहे जितनी प्रगति कर लें धन-दौलत कमा लें, इज्जत पा लें, परंतु कोई भी घर-परिवार,मजबूत प्रसन्न और सुख चैन से नहीं जी सकता है। यदि उसमें एकता और संगठन का अभाव है।

इसी क्रम में यदि हम समाज के बारे में सोचें तो समाज भी संगठन के बिना अधूरा है। हाथ का कंगन को आरसी क्या?हमारे सामाजिक ढांचे पर नजर दौड़ाऐ तो स्पष्ट हो जाता है कि जो समाज संगठित है वहीं प्रगति पर है। हमारे समाज की अन्य समकक्ष समाजों से तुलना करते है तो हम पाते है कि हम तो ऐसे समकक्ष समाजों से काफी दूर है।

आधुनिक युग में संगठित या समूहबद्ध रहने के फायदों को लोगों ने जाना है। संघेशक्ति कलियुगे' को जिसने अपने परिवार एवं समाज ने अपनाया है वहीं प्रगति की राह पर अग्रसर रहा है। जो भी संगठन अन्य समकक्ष समाजों से आगे बढ़े है वो अपने क्षेत्रीय संगठन की वजह से नहीं वरन् अपनी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय एकता एवं संगठन की वजह से बढ़े हैं।

आज आरक्षण हटाओ-लोकतंत्र बचाओ के नारे हर तरफ से सुने जाते है। लोग संगठित होकर इसका विरोध भी करते रहते है। जहां भी संगठित विरोध हुआ है, उसका आंशिक लाभ ऐसे समाज लेने में भी सफल हुए है। अधिकांश लोगों का मानना है कि आरक्षण का लाभ पदोन्नति में नहीं मिलना चाहिए। इसके लिए भी प्रयास हो रहे हैं, किन्तु कोई भी राजनैतिक दल इस सम्बंध में एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। कारण स्पष्ट है कि ऐसी जातियों का राष्ट्रीय संगठन व एकता।

हमारे समाज के संख्यात्मक आंकड़े चौकाने वाले है। पूरे भारत में न्यूनाधिक रूप से समाज के व्यक्ति निवास

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

उत्तिष्ठित जागृत

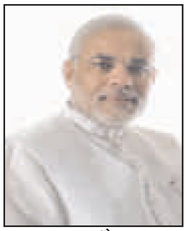
राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

विजय लक्ष्मी साहू

महिला प्रदेश अध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य : भारतीय जनता पार्टी, उ0प्र0
निवास- सिविल लाईन्स 739, लक्ष्मी कालोनी, जिला अधिकारी आवास के सामने, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
मो0 : 7309155011, 9125760003
e-mail : vijaylaxmisahu95@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

मनोज साहू

एडवोकेट, हाईकोर्ट
चैम्बर नं 89, लायर्स चैम्बर, पंचम तल,
हाईकोर्ट, लखनऊ
राष्ट्रीय सलाहकार
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

मुफ्त कानूनी सलाह हेतु सम्पर्क करें।

निवास/कार्यालय : 4/892 विकास नगर, लखनऊ
मोबाइल : 09450750386

कर रहे है।

राष्ट्रीय संगठन एवं एकता के सन्दर्भ में जिन प्रान्तों में सक्रियता है वहां सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक दृष्टि से समाज का बोलबाला है।

राष्ट्रीय संगठन एवं एकता बनाए रखने में सबसे बड़ी बाधा है कि तेली समाज इस नाम से न तो संगठित है और ना ही रहना चाहता है। कारण चाहे कुछ भी हो पर तेली शब्द कुछ क्षेत्रों में ही आदर के साथ लिया जाता है,शायद यही मख्या कारण है कि हम अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलगशाखाओं प्रशाखाओं के नाम से जाने जाना पसंद करते हैं।

हम हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल,उत्तरप्रदेश एवं महाराष्ट्र में गुप्ता, प. उत्तर प्रदेश, असम व बंगाल में साहा, झारखण्ड मेंशाह, उड़ीसा प, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं पूर्वी राजस्थान में साहू नाम से पहचाने जाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, द, प. राजस्थान एवं प, मध्यप्रदेश में राठौरशब्द का बोलबाला रहा है। गुजरात में मोदी या मोढ़ तथा प, राजस्थान में घांचीशब्द से जाना जाते है। द. भारत में तेली, गनिगा, गांदला, चेट्टी, चेट्टीयार, वानियार, वानिका जेश आदि नाम प्रमुख है। समस्या यही समाप्त नहीं होती प्रत्येक उपशाखा के महापुरूष या संगठित नहीं हो सकती है।

जहां भी एकशाख का बाहुल्य है वो वर्क के आधार पर अन्य को अपने निम्नतर समझती है। अधिकांश लोग वैश्य कहलाना पसंद करते हैं जो तर्क संगत भी प्रतीत होता है, परंतु कुछ क्षेत्रिय वशंज समझने में अपने अपको गौरवान्वित महसूस करते हैं।

आज आवश्यकता है समाज राष्ट्र स्तर पर सर्वसम्मत नाम पर सहमति बनाएं। राष्ट्रीय संगठन में सभी वर्गों उपवर्गों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो। ऐसे संगठन के बैनर तले राज्य एवं जिला स्तर पर सक्रिय इकाईयों का गठन हो जो जोशीले ढंग से अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखें एवं समाज के विभिन्न वर्गों में परस्पर सुख-दुख में भागीदारी निभाते हुए टीम वर्क से कार्य करें। ऐसे समूह प्रत्येक व्यक्ति से अपनापन प्रदर्शित करें तथा लक्ष्य हासिल करने में सभी के निर्णयों का सम्मान करें तो वह दिन दूर नहीं जब समाज में संगठन एवं एकता होगी। यदि ऐसा हो तो अंगूर के गुच्छे की भांति हमारी कीमत भी ऊंची होगी और लोगों की चाहत भी।

'गजब की एकता देखी मैंने लोगों की जमाने में,
जो जिन्दा है उसे गिराने की, जो मुर्दा हैं उसे उठाने की।'

मेवा लाल साहू
राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष
ग्वालियर
मो० 8959136930

योग्य वर-वधू के लिए सम्पर्क करें

साहू वी० पी० जायसवाल
एच० एस० 1/48, सेक्टर-ए
सीतापुर रोड स्कीम, लखनऊ
Mobile : 9415765495, 09005178541
E-mail : sahumatrimonial@rediffmail.com

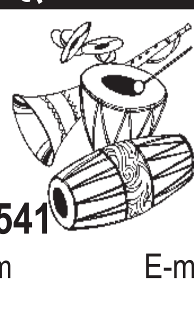

स्नेही शिव शंकर गुप्ता
बी-2122, इन्दिरा नगर, लखनऊ
Mobile : 9450219446
E-mail : admin@sahuvaish.matrimonial.org

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

राजेश साहू

प्रदेश मीडिया प्रभारी

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उ0प्र0

जिलाध्यक्ष

राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ।

संयुक्त मंत्री

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद,उ.प्र.

कार्यकारिणी सदस्य

आई.ई.टी. कर्मचारी एसोसिएशन

(इंजीनियरिंग कालेज, सीतापुर रोड, लखनऊ)

प्रचार मंत्री

आई.ई.टी. कर्मचारी एसोशिएशन

सीतापुर रोड, लखनऊ उ.प्र.

कार्यालय : बी-4, दारूलशफा, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

मोबाइल : 9453973001

टहलने से समाजीकरण के साथ स्वास्थ्य लाभ भी

'चलो कुछ दूर टहल आऐं' अपने किसी परिचित का ऐसा आग्रह हम अक्सर स्वीकार कर लेते हैं। टहलने से एक ओर जहां हमारा समाजीकरण होता है तो दूसरी ओर स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है। टहलना अत्यंत सरल तथा लाभप्रद व्यायाम है। सहज रूप से टहलने से हमें वे सभी लाभ प्राप्त हो जाते हैं जो व्यायाम करने से मिलते हैं।

टहलने काश्वास गति, हृदय गति तथा रक्त प्रवाह पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। टहलते समयश्वास-प्रश्वास की गति तेज होने से हानिकारक तत्व प्रश्वास के जरिए तेजी से बाहर निकलते हैं। टहलने से पाचन प्रणाली भी उत्तेजित होती है। कब्ज से परेशान लोगों को तो अवश्य ही टहलना चाहिए। टहलने से भूख भी बढ़ती है। टहलनाशारीरिक स्वास्थ्य के लिए जितना लाभदायक होता है उससे कहीं अधिक फायदा हमारे मानसिक स्वास्थ्य को पहुंचाता है।

टहलते समय शारीरिक मुद्रा का ध्यान रखना चाहिए अन्यथा अभीष्ट लाभ नहीं मिलता। टहलते समयशरीर सीधा तथा तना होना चाहिए। टहलते समय मुंह बिल्कुल बंद होना चाहिये तथा सांस पूरी तरह नॉक से ही लेना चाहिए।

टहलने से मन को शांति मिलती है तथा कम् क्रोध और ईर्ष्या जैसे मनोदोषों का शमन करने मे ंसहायता मिलती ह। विद्यार्थियों के लिए सुबह टहलना बहुत ही लाभदायक होता है क्योंकि प्रातःकाल नियमित रूप से टहलने से एकाग्रता का सहज विकास होता है। टहलने से रात को गहरी तथा पूरी नींद आती है तथा शरीर को असीम शांति मिलती है।

विभिन्न अनुसंधान बताते हैं कि प्रातःकाल टहलने से शरीर में साबित होने वाले विभिन्न हारमोन नियंत्रित तथा नियमित होते हैं। अंतस्रावी ग्रंथियों की कार्यप्रणाली नियमित होने से हारमोन असंतुलन से उठने वाली अनेक समस्याएं नियंत्रित होती है। मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले रसायनों में परिर्वतन आता है जिससे हमारे मूड पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। टहलना एक प्राकृतिक प्रशांतक है जिससे मस्तिष्क की विभिन्न संरचनाएं तनाववरहित होकर शिथिल हो जाती है इससे मन तथा मस्तिष्क को सुकून मिलता है। इससे हमारा मूड खुशनुमा बनता है। नियमित रूप से टहलने से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा मन में शांति के स्थायी भाव पैदा होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार टहलने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन हारमोन स्राबित होता है जिससे हमारा मूड परिवर्तित होता है तथा सकारात्मक भावनाएं पैदा होती हैं विशेषज्ञों के अनुसार टहलने से हमारे आसपास के लोगों से हमारे संबंधों में भी सुधार आता है। उदारण के लिए यदि पति और पत्नी यदि साथ-साथ टहलते हैं तो उनमें अंतरंगता बढ़ती है तथा उनमें मैं के स्थान पर हम के भाव पैदा होते हैं। साथ ही उनमें परस्पर सहारा देने की भावना और परस्पर विश्वास के भाव भी गहरे होने लगते हैं। जब हम टहलने के लिए बाहर निकलते है तो घर वातावरण, जिम्मेदारियों तथा तनाव पैदा करने वाले कारकों से चाहे अस्थायी रूप से ही सही परंतु कुछ देर के लिए मुक्ति पा जाते हैं जिससे अवसाद हम पर हावी नहीं हो पाता। दूसरी ओर यदि हम समूह में टहलते हैं तो आपस में हंसी-मजाक होता है जिससे हमारा मनोदैहिक स्वास्थ्य सुधरता है। अनुसंधानों से सिद्ध होता है कि हंसने से रक्त संचार तेज होता है जिससे दिमाग समस्याओं से पीड़ित रोगियों को लाभ होता है क्योंकि रक्त संचार में वृद्धि होने से मस्तिष्क को अधिक आक्सीजन तथा ग्लूकोज पहुंचता है।

टहलने से हमें मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होती है। हममें सकारात्मक भावनाओं का संचार होता है। भावनाओं का हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता से गहरा संबंध होता है। विशेषज्ञों की राय में आशावादी व्यक्ति तनाव का अनुभव कम करते हैं इससे रोग प्रतिरोधी क्षमता उत्तम बनी रहती है। हालांकि टहलने के लिए कोई भी समय चुना जा सकता है परंतु फिर भी प्रातः चार से छह बजे का समय सबसे अच्छा माना जाता है। प्रातः काल टहलने से आप पूरे दिन स्फूर्ति तथा ताजगी महसूस करते हैं।

गांधी डी.सी. गुप्ता
अध्यक्ष
तैलिक साहू राठौर महासभा,उ०प्र०
मो० 9450638204

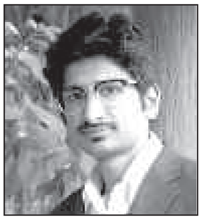

Amar Prem Group

GROW WITH US

Vishal Gupta
Mobile :
+91 8005454000
+917071549200

Shubham Gupta
लखनऊ नगर महामंत्री-भा०तै०सा०रा०म०
Mobile :
+91 9389209876
+91 9452587555

Concern Firm
(i) Shre Amar Ayurved Ashram (ii) Amar Prem Herbal
(iii)Gupta Store (iv) Tirupati Infra Developers

Address :
110/140 Naya Goan Near tuti Masjid, new Medicine Market
e-mail : amarpremgrouplucknow@gmai.com

उ०प्र० की नम्बर-1 निःशुल्क वैवाहिक वेबसाइट
अपना मनपसंद जीवन साथी पाने के लिए फ्री रजिस्ट्रेशन।

www.
amarvivah.com

FREE REGISTRATION | FREE TO SEARCH | FREE TO CONTACT

+91 8005454000 www.amarvivah.com

इंटरनेट युक्त मोबाइल से एक मिस काल देने पर पाये
हजारों समकक्ष रिश्ते फोटो एवं बायोडाटा सहित।

उपभोक्ता न्यायालय- आम आदमी के जीवन में कितना उपयोगी?

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में साफ वर्णित है कि 'हर महिला, पुरूष, बच्चा व बूढ़ा उपभोक्ता है, जो अपने उपयोग के लिए वस्तु का मूल्य देकर उस वस्तु को खरीदता है या शुल्क देकर कोई सेवा सुविधा प्राप्त करता है। यदि मूल्य या शुल्क अदा करने के बाद उपभोक्ता को लगे कि उसे धोखा दिया गया है, अधिक मूल्य या शुल्क लिया गया है या विक्रेता/निर्माता कंपनी ने वस्तु के विज्ञापन में या गारंटी/वारंटी में वस्तु की जो खूबियां गिनाई हैं, वे उसमें नहीं हैं, तो वह धोखा-धड़ी के खिलाफ जिला उपभोक्ता फोरम में स्वयं जाकर या चिटठी भेजकर, बिना किसी शुल्क के अपना मुकदमा दर्ज करा सकता है। उपभोक्ता चाहे तो खुद न जाकर अपने प्रतिनिधि या उपभोत्ता के हित में लगी संस्था के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करवा कर क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकता है। इस फोरम में वाद दाखिल करने को कोई शुल्क नहीं लिया जाता। अपनी शिकायत लिखकर, उसके नीचे अपना नाम, पता साफ-साफ लिखें। वस्तु की खरीद की पर्ची या सेवा शुल्क की रसीद और सभी अन्य सबूत साथ में लगाकर उपभोत्ता फोरम में देदें। कई प्रदेशों में आर्थिक तंगी के कारण विक्रेता/ निर्माता या जिसके खिलाफ शिकायत की गई है, उसे रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजने का खर्च शिकायतकर्ता से ही लिया जाता है। यद्यपि कानून में निःशुल्क परिवाद दायर करने का प्रावधान है लेकिन, अगर कोई चाहे तो वकील के माध्यम से भी मामला दायर कर सकता है। वैसे देखने में आया है कि अपने मामले की मजबूती लोग वकील की सेवाएं लेने लगे हैं। वस्तु की गुणवत्ता में कमी या सेवा में व्यवधान या खराबी पाए जाने पर सीधे फोरम में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। डाक से आई शिकायतें भी स्वीकार की जाती है। शिकायत आने पर जिला उपभोक्ता फोरम एक नोटिस भेज कर विपक्षी पार्टी को एक निश्चित तिथि पर उपस्थित होकर अपनी सफाई पेश करने का अवसर देता है। दोनों पक्षों के गवाह साक्ष्य और बयान देखें-सुने जाते हैं। यदि वस्तु या सेवा में कमी प्रमाणित होती हैं तो वस्तु को बदलने, मरम्मत कराने, कीमत व सेवा शुल्क ब्याज सहित वापस करने या उपभोत्ता को हुई शारीरिक मानसिक या आर्थिक क्षति की क्षतिपूर्ति एक निश्चित अवधि में भुगतान करने का आदेश, फोरम के अध्यक्ष द्वारा दिया जाता है।निर्णय पर महिला व पुरूष सदस्य के भी हस्ताक्षर होते हैं। वर्ष 1996-97 के संशोधन के बाद कोई भी उपभोक्ता पांच लाख रूपये की क्षतिपूर्ति के लिए अपनी शिकायत जिला उपभोत्ता फोरम में कर सकता है। पांच लाख से बीस लाख रूपये तक की क्षतिपूर्ति का दावा प्रदेश की राजधानी में स्थित राज्य आयोग में किया जा सकता है। बीस लाख से एक करोड़ रूपये तक। और इससे अधिक क्षतिपूर्ति के लिए नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आयोग में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

जिला उपभोक्ता फोरम में 90 दिन यानी 'तीन माह' के भीतर मामले के निस्तारण की व्यवस्था है, लेकिन शिकायतों की भारी संख्या के कारण कई बार वर्षों लग जाते हैं। जिला उपभोत्ता फोरम के निर्णय से यदि उपभोत्ता असंतुष्ट है यदि उसे लगता है कि उसे पूर्ण न्याय नहीं मिला है तो 30 दिन के अंदर वह राज्य या राष्ट्रीय आयोग में अपील कर सकता है। विपक्षी पार्टी को भी यह सुविधा रहती है कि वह जिला फोरम के निर्णय के विरूद्ध अपील कर सके। राष्ट्रीय आयोग के निर्णय के खिलाफ भी अपील की जा सकती है। यह अपील सुप्रीम कोर्ट में करनी पड़ती है, लेकिन यहां कई फीस व अन्य खर्चें देने पड़ते हैं। जिला फोरम राज्य आयोग या राष्ट्रीय आयोग का आदेश न मानने वाले व्यक्ति या संस्थान के मुखिया अथवा कार्यालय प्रमुख को जेल भी भेजा जा सकता है। सिर्फ एक बात ध्यान देने की है कि वस्तु में कमी या सेवा में खामी के बाद विवाद से दो वर्ष के अन्दर अपनी शिकायत जिला फोरम में दर्ज करायें। पहले सरकारी सेवायें उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंदर नहीं आती थी किन्तु 1991-1993 तथा 1997 के इस अधिनियम में हुए संशोधनों के बाद रेल, डाक, तार, टेलीफोन, नगरनिगम, विकास प्राधिकरण, विद्युत विभाग सहित उन सभी विभागों को शामिल कर लिया गया है जो शुल्क देकर उपभोत्ताओं को अपनी सेवायें प्रदान करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार डॉक्टर, नर्सिंग होम, वकील, चार्टर्ड एकाउंटेन्ट, वैद्य, स्कूल-कॉलेज आदि सेवायें भी उपभोत्ता संरक्षण अधिनियम के दायरे में आ गई है।

मनोज साहू, एडवोकेट
राष्ट्रीय सलाहकार,
लखनऊ
मो0 09450750386

जय मानवता ! | जय भारत ! | जय समानता !

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

परिवर्तन समाज पार्टी

नन्द किशोर साहू
राष्ट्रीय अध्यक्ष

आफिस : गैडे वाली सड़क, लश्कर, ग्वालियर-474001 (म.प्र.)
निवास : सेवा नगर, ग्वालियर-474003 (म.प्र.)
दूरभाष : 0751-4012619, 09827394664
ई-मेल : parivartansamajparty@gmail.com, nksahuesp@gmail.com

साहू रमेश कुमार गुप्ता
राष्ट्रीय सचिव, उ.प्र. प्रभारी- परिवर्तन समाज पार्टी
प्रदेश अध्यक्ष- सर्वतैलिक महासभा

कार्यालय : 128/815, (3) 'के' ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर
दूरभाष : 9415723034

नोट : पार्टी पदाधिकारी व सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें।

अजय गुप्ता
प्रत्याशी- किदवाई नगर,
विधान सभा, कानपुर
महामंत्री-पसपा
मो0 07836073111

कौशल किशोर साहू
प्रत्याशी- महाराजपुर
विधान सभा, कानपुर
जिलाअध्यक्ष-पसपा
मो0 09005073359

समय-प्रबंधन

समय को जिंदगी के समान माना गया है।कहते हैं कि अगर आप समय को बर्बाद कर रहे हैं तो अपनी जिंदगी को बर्बाद कर रहे हैं। खोए समय को वापस नहीं पाया जा सकता है। इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने समय का सही उपयोग करे। समय सबसे बलवान होता है। इसलिए कहा गया है कि व्यक्ति बलवान नहीं होता।समय सबसे बलवान होता है। दुनिया के सारे सफल लोगों ने दूसरों की तुलना में अपने समय का ज्यादा सदुपयोग किया। इसलिए वे दूसरों से आगे निकल सके। समय अपनी गति से चलता रहता है। न तो किस की प्रतीक्षा करता है न किसी के लिए अपनी चाल तेज या धीमी करता है और न ही समय किसी के रोकने से रूकता है। समय का महत्व समझने वाला व्यक्ति अपनी बुद्धि और क्षमता के अनुसार समय का सही उपयोग करता है। भगवान सभी को हर दिन २४ घंट का समय देते हैं जो लोग अपने २४ घंटे का सही उपयोग करते हैं वे दूसरों से आगे निकल जाते हैं, जबकि समय बर्बाद करने वाले केवल तमाशा देखते रह जाते हैं। एडिसन को समय का उपयोग करने की आदत ने ही एक महान वैज्ञानिक बनाया। उन्होंने अपने जीवन में छोटे-बड़े लगभग २५०० अविष्कार किए, जबकि कोई और वैज्ञानिक उनके आसपास तक नहीं पहुंच पाया, क्योंकिशायद किसी वैज्ञानिक ने उस हद तक अपने समय का सही उपयोग नहीं किया जितना एडिसन ने किया था।

यूं एक मिनट हमारे जीवन को नहीं बदन सकता, लेकिन एक मिनट में लिया गया निर्णय हमारे जीवन को बदल भी सकता है। किसी संत ने अपने शिष्यों से पूछा, जिंदगी में सबसे ज्यादा जरूरी चीज क्या है, जिसे महमें न तो कभी खोना चाहिए और न ही उसका गलत प्रयोग करना चाहिए। उनके सभी शिष्यों ने अलग-अलग जवाब देते हुए पैसा, प्यार, मां-बाप, परिवार , धैर्य, साहस, ताकत, ज्ञान, भक्ति, गुरू और सांसों को सबसे जरूरी बताया, लेकिन उनके सबसे प्रिये शिष्य ने समय को सबसे ज्यादा जरूरी बताते हुए कहा कि सांसों के अलावा सभी चीजों को हम खोने के बाद भी प्राप्त कर सकते हैं और सांसों को भी हमें कभी न कभी छोड़ना ही पड़ेगा, लेकिन केवल समय ही जिंदगी की ऐसी महत्वपूर्ण चीज है जो कोई भी हमें वापस नहीं दिला सकता। दुनिया में केवल समय ही है जो हर इंसान को सीमित मात्रा में मिला है, बाकी सब चीजें असीमित हो सकती है।

-मोहन लाल गुप्ता
राष्ट्रीय सचिव

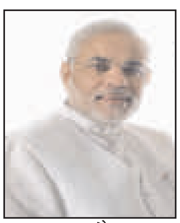

राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

रमाशंकर गुप्ता, एडवोकेट

सम्पादक- चेतना संदेश पत्रिका

प्रदेश महामंत्री (संगठन) - भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा,उ0प्र0

प्रोपराइटर- एस.एस. प्रिंटिंग वर्ल्ड

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ

दूरभाष : +91 9451403835

ई-मेल : ramashanker2010@rediffmail.com,
ramashanker15980@gmail.com

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

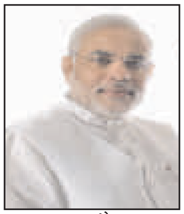
राष्ट्र गौरव

झारखण्ड गौरव

समाज गौरव

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
उत्तिष्ठित जागृत

ओम प्रकाश साहू

प्रदेश कोषाध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा

कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग कैण्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ

दूरभाष : +91 09335118647

निवास : विजय नगर, नीलमथा, बाजार, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

ॐ साँई राम

समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें !

साँई कृपा फार्मेसी

(अंग्रेजी दवाखाना)

एस.आर.गुप्ता
B.Pharma

हमारे यहाँ सभी प्रकार की दवायें उचित मूल्य पर मिलती हैं।

उतरठिया बाजार, निकट यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया
रायबरेली रोड, लखनऊ

मोबाइल : 9307820643

लखनऊ के प्रांतीय बैठक मे युवा साथियों को सम्मानित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री डी.सी.गुप्ता।

मुम्बई के कार्यक्रम मे सम्मान प्राप्त करते युवा कार्यवाहक अध्यक्ष श्री सुनील गुमान साहू।

शाहजहाँपुर के जिला सम्मेलन मे राष्ट्रीय सचिव श्री मोहनलाल गुप्ता का सम्मान करते हुए जिलाध्यक्ष डा. विनोद राठौर।

राज्य कर्मचारी युनियन द्वारा सम्मान प्राप्त करते प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री राजेश साहू व अन्य ।

राज्य डिप्लोमा इंजीनियर एसो0 द्वारा सम्मान प्राप्त करते प्रदेश भवन प्रभारी इंजी. लालबहादुर गुप्ता व अन्य।

DR. UMESH NANDLAL SHAHU

- **National Working President**
  Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha (Reg.)
- **National President-** All India Sahu Vaish Mahasabha Vivah Prakoshth (Reg.)
- **National Vice President-** All India Vaish Mahasabha (Reg.)
- **State Vice President-** Maharashtra Prantik Teli Samaj Mahasabha
- **Organiser & Acting President-** Sahu Adarsh Samuhik Vivah & Parichay Sammelan Nagpur.
- **General Secretary-** Nagpur City(District) Congress Committee
- **Director** - Shahu's Garden High School & Junior College, Nagpur.
- **Director** - Prameshti Mentally Retarded Children's School, Nagpur.
- **Director**- Priyadarshini Indira Gandhi Prathmik School, Nagpur.
- **Director**-Shahid Kakade Prathamik & Madhyamik School Nagpur.
- **Business Representative** - Nag-Vidarbha Chamber of Commerce, Nagpur.
- **Director** - Nagpur Chambers of Commerce
- **Director** - Shiv Priya Sahakari Bank Ltd. Nagpur.
- **President** - Sanskruti Co.-Operative Housing Society Ltd., Nagpur.
- **Special Executive Officer** - Government of Maharashtra

Shahu's™

Group of Business & Education

Directors & Proprietors

SMT. SUSHMA UMESH SHAHU
Principal (B.A, B.Ed)

RAHUL UMESH SHAHU
Director (B.Com,M.B.A.)

SUBHASH N. SHAHU
Proprietor

SMT. SUJATA SUBHASH SHAHU
Director (B.A)

SATISH N. SHAHU
Proprietor

SMT. ANAMIKA SATISH SHAHU
Principal (M.Sc, M.Ed)

Resi.: 480, Shahu Bhavan, Opp. State Bank of India, Medical College Sq., Nagpur-9(M.H.) Phone : 0712-2747968, 2703322

Off. : Shahu Garden, Manewada Cement Road, Nagpur-27. (M.H.)
Office : 0712- 2751151, 3246796, 2760910, 2777677,2742930, 3292005,
Fax : 0712- 2704103
Mobile : 09422114433, 09373102064, 09822226355, 09823147968

• Shahu's Garden High School & Jr. College.
Shahu Garden, Manewada Road, Nagpur.

• Shahu's Garden, Pre-Primary, Primary
& Middle School, Shahu Nagar, Nagpur.

• Priyadarshini Indira Gandhi Marathi
Prathamik School, Shahu Nagar, Nagpur.

• Prameshti Mentally Retarded Children's School
Shahu Layout, Hudkeshwar Road, Nagpur.

• Shahu's Vrundavan Lawn & Hall,
Shahu Nagar, Manewada-Besa Road,
Nagpur.

• Shahu's VANDAN Sanitary Shopee
Shahu Nagar, Manewada-Besa Road,
Nagpur.

Firm :

☆ **M/s. Shahu Traders- Grain, Poha, Murmura Wholesale Merchant**
Anaj Bazar, Itwari, Nagpur.

☆ **Shahu Housing Finance & Development Company Pvt. Ltd.**

☆ **Shahu Builders & Developers, Nagpur.**

☆ **Shahu's Vrundavan Lawn & Hall, Nagpur.**

☆ **Shahu's Vandan Sanitary Shopee, Nagpur.**

Developed Layouts & Apartments- Shahu Nagar, Besa Road, Nagpur ;
Shahu Vihar -1 Besa, Nagpur ; Shahu Vihar- 2 Besa, Nagpur; Shahu-Banode Nagar 3 Besa, Nagpur;
Shahu Layout -1 Hudkeshwar Road,Nagpur ; Shahu Layout-2 Hudkeshwar Road, Nagpur;
Shivanand Apartment,Hanuman Nagar, Nagpur; Vaishnav Apartment, Ayodhya Nagar, Nagpur.

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल मे संस्था की बैठक मे भाग लेती मा. विधायक, श्रीमती पारूल साहू, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष,भा.तै.सा.रा.महासभा श्री नरेन्द्र साहू प्रदेश अध्यक्ष, श्री सतेन्द्र साहू, प्रदेश प्रमुख महासचिव व अन्य पदाधिकारी।

लखनऊ प्रांतीय बैठक मे एकत्रित समाज के प्रतिनिधि।

शाहजहाँपुर मे मा0 राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू का स्वागत करते डा. विनोद राठौर।

झांसी मे श्री जगदीश साहू एवं डा. अनीता साहू द्वारा श्री रामनरायन साहू व श्रीमती विजयलक्ष्मी साहू का स्वागत व सम्मान करते हुए।

लखनऊ मे डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री रामनरायन साहू।

नारी सशक्तिकरण

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः' के संस्कार से आपूरित हमारा समाज आज नारी के प्रति संवदेनहीन हो रहा है। नारीशब्द के श्रवण-मास से उसकी महानता का परिचय प्राप्त होता है। नर से ज्यादा नारी इसीलिए भारी है पारी हम सीता-राम बोलते हैं राधे-कृष्ण बोलते हैं। इनमें पहले नारी का और बाद में नर का नाम लेते हैं। व्यावारिक जीवन में भी नारी सब पर भारी होती है। परंतु देखा इतिहास के पन्नों में नारी मोहरा बन पिटी गई। हठधर्मी पुरूष के निर्णय से जिंदगी उसी की दुखी हुई। डा. कलैश नारायण तिवारी प्रो. दिल्ली वि.वि. मैथिलीशरण गुप्त ने भी कहा है अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी । आंचल में है दूध और आंखों में पानी। जयशंकर प्रसाद ने नारी को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया है। नारी तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास रजत-नम-पगतल में/पीयूष-स्रोत-सी बहा करो/जीवन के सुंदी समतल में।

नारी को अबला से सबला बनाने की प्रेरणायें तो बहुतों ने दी। एकशायर कहते हैं तालीम लड़कियों को देना तो चाहिए मगर खातून-खाना होशामा की परी न हो। शांति की देवी दुर्गा, धन की देवी लक्ष्मी, विद्या की देवी सरस्वती सभी तो नारी ही हैं। यहां तक कि संतोष की देवी संतोषी भी तो नारी ही है। नारी घर संभालती है बच्चे संभालती है और नौकरी भी करती है। फिर भी सतायी भी नारी ही जाती है। यह कैसी विडम्बना है कि नारी का हम अनादर करते हैं।

नारी अब हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है। राजनीति में भी अब नारी आगे बढ़ रही है। परंतु उनके आगे बढ़ने में अनेक बाधाएं आती हैं। फिर भी नारी-जागरण की बात हर तरफ जोरों से उठती है।हमें सभी अपने ही घर से इसे उठाने का प्रयास करना चाहिए। नारी और नर जीवन रूपी रहा था के दो पहिए हैं इन दोंनों को समुचित रूपेण दुरूस्त होना चाहिए तभी जीवन की यात्रा सुखद और सफल हो पावेगी। नारी सशक्तिकरण की केवल बात न की जाय बल्कि उसे क्रिया रूप में बढ़ाया भी जाये। पुत्री के रूप में पिता द्वारा, पत्नी के रूप में पति द्वारा, माता के रूप में पुत्र द्वारा तथा बहन के रूप मे ंभाइयो के द्वाराशिक्षित नारी अब उत्थान की दिशा को ग्रहण करें। इसी में घर परिवार समाज और देश का हित है। मुक्त करो नारी को मानव मुक्त करो नारी को। गर्हिवशोषित, पीड़ित को, जननि सखी प्यारी को ।।

नारी को स्वयं भी बिना देर किए अब आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

कर बहियां बल आपनी, छाड़ि पराई आस।
ऐसा प्रयास हो कि सब देखते रह जाये।
अंत में
जिसको गल बहियां डालकर हम बहुविद्य प्यार करते हैं, उसे हर प्रकार की सुविधा देने में ही हम क्यों डरते हैं?उसे वस्तु समझकर उसका दुरूपयोग करना हम छोड़ दें, उनके विकास की राह को हम हर दिशा में मोड़ दें।

नारी सशक्तीकरण को बहुविद्य हम विकसित होने दें विजय-मान नारी के लिए सभी को तहे-दिल से पिरोने दें। नर नारी के लिए नारी नर के लिए हर तरह समर्पित हों, भक्त दोनों मिलकर सुखी रहें और परिवार समाज देश के लिए अर्पित हों।।

डा. भक्तराजशास्त्री
लखनऊ
मो. 9415087402

हृदय को स्वथ्य रखे

भोजन में तेल रहित खाना ही खाएं।

किसी भी तरह के टेंशन से दूर रहने का प्रयास करें तथा अधिक से अधिक खुश रहने का प्रयास करें।

अपने ब्लड प्रेशर की समस्या को हल्के में न लें इससे हार्ट अटैक की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

अपनेशरीर पर चर्बी न चढ़ने दे इसके लिए नियमित व्यायाम करें।

अपने दैनिक आहार में रेशेदार सब्जी का इस्तेमाल करें और अधिक हरी सब्जियां और सलाद खाएं।

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन,
एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

CA ANIL SAHU

B.Com, F.C.A., D.I.S.A. (ICAI)

ANIL SAHU & ASSOCIATES

Chartered Accountants

24/56, Birhana Road, Kanpur-208 001

Resi. 6/24, Parvati Bagla Road, Kanpur-203001

E-mail : anilsahufca@yahoo.com

Speech and Hearing Disorder

Hearing is such a vital organ of our body which helps in learning speech and language. Speech and language are very unique to human bneing and they are girted by God. It is very strange that speech and language are not found is other species Hence it is our prine duly yo keep the speech adn language intact and normal.

With the fast development of science and technology few of our populations are suffering from some kind of speech and hearing disorde. According to 1991 census it has been estimated that 5% are suffering form hearing loss. It incrases gradually, as the age of the person increases and it becomes 30% in the pepole whose age is above 60 years and 5 to 10% are suffering from speech and language distorders due to various reasons.

Population of our samaj are not lefy our from this unwaned incidents. They are more sufferers because most of us are educationally, socially and economically backward. We are the childeren of sahu samaj, we are proud of being sahu samaj and we are here to help those sahu samaj who have any king of speech and hearing problem because we are speciallised in such disoredrs.

We briefly describe about Speech and hearing disorders so that our people could understand and take benefits from us.

We cry, we laugh, we talk we listen to the world of sounds and words. These acts are not as simple as they sound. A child hears a lot before he can apeak well. Our ability to speak helps us to know more about the wonderful world we live in. It helps us understand other's ideas and emotions and tell what we want to say. this is the dificult actcalled speech. Follwoings are the are the speech and hearing disordres seen in different people-

Hearing Impairment- Our ears are the doorways to the world of comm-unication. It is the listening child which learns to say his firs meaningful words by the age of 12 th month. So hearing loss at birth or early childhood has serious effects on speech learning. Infectious diseases, excessive intake of antibiotics, trauma and genetic factors can cause hearing loss when the child is in the mother's womb at birth or while growing up.

Hearing loss the child can cause delay in learning speech and language. Such children need immediate audiological diagnousis to find out how much of the child's hearing ability in left intact. A hearing aid helps the child to hear better is fitted by audiologist. Speech therapy helps the child to stop into the talking world.

Delayed Speech & Language- Besides a hearing loss in chidhood, there are other reasons which can cause a delay in speech and language learning. They are mental retardetion, emotional disturbanse brain damage, pooor speech and language exposer to the child, any abnormality in speech organ lile-hole in the palate, limited movement of the tongue, pralysis of palate, small or big tongue. A complete observtion and examimations of the child by the speech therapist helps to rule out what causes delay in learning speech and languge. The exercises planned by the speech therapist helps to overcome such problem.

Misarticulation- Speech sounds are the building blocks of speech. A great deal of precision and gynstice of the tongue, lips, jawa and palate are required for this. Normally chileren master this skill by 7th years of age. Delay in learning speech sound production is called misarticulation. such childeren need immediate corrective measers by speech therapist otherwise it may have bad effect on educational and personality development of child.

Voice Disorder- Voice is the basic parameter of speech which gives away or emoitions,personality and identity. misuse, structural abnormalities and paralysis may

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

संजय साहू

डिप्टी मैनेजर

बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पुणे

अशोक साहू

सहायक, अध्यापक

रामजीत साहू,

पूर्व अधिकारी, सहकारी बैंक

ग्राम- मऊ, पोस्ट- असोगवा

जनपद- सिद्धार्थनगर, उ.प्र. पिन कोड-272153

मो० 8354099934, 9554359610

result in voice disorder.

One of the common voice disorder is puberphonia in which male adult produces voice like female voice. Voice therapy helps in restoring correct voice.

Stuttering- Speech has rythem and flow. Disruption of flow reduces the effectiveness of speech and may some time be punishing when there is hesitation, prolongation, blocks and repeataion in the speech, it is termd as stuttering. It may range from mild hesitation to a severe disruption in the flow of speech. such pepole too need speech thereay.

Early identification of the problem, prompt intervention and suportive help from the family and community are essential part for compelete recovery from any kind of speech and hearing problems.

Dr. Vivek Mathur
CMO (S.G.)

आधी जनसंख्या का पुनरूथान कैसे हो?

शिक्षा दक्षता एवं प्रतिभा के बलबूते ही मनुष्य का मूल्यांकन होता है। इन्हीं के सहारे अर्थ-उपार्जन से लेकर महत्वपूर्ण दायित्व सम्भाल सकने का सुयोग मिलता है। यदि स्थिति अनगढ एवं अयोग्य स्तर की बनी रहे तो कोई भी व्यक्ति उतना ही कुछ पा सकने में सफल होता है, जितना ही उसकेशरीरिक श्रम का बाजार भाव होता है।

नारी को इन दिनों बहुत तरह की परिस्थितियों से होकर गुजरना पड़ता है। इस पुरूष-प्रधान समाज में इसकी एक प्रकार से उपेक्षा ही कर दी गयी है। न उसकी शिक्षा की ओर समुचित ध्यान दिया जाता है और न ही उसे अपनी प्रतिभा विकसित करने का अवसर मिल पाता है। उसे अपना अधिकांश समय घर की चारदीवारी के अंदर ही चूल्हे-चौके तक सीमित रहकर गुजारना पड़ता है। फलतः आधी जनसंख्या अधांग पक्षपात की तरह निर्बल-असमर्थ पड़ी हुई है। जबकि होना यह चाहिए कि नारी वर्ग को भी ऊंचा उठने एवं आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए।

इसके लिए परिवार का समय और श्रम का विभाजन ऐसा होना चाहिए कि सभी को काम-काज निपटाने में सम्मिलित भूमिका निभाने की प्रक्रिया अपनानी पड़े। हर समय कुछ-न-कुछ करते रहने के लिए ही किसी पर अनिवार्य बंधन न रहे। सर्वतोमुखी विकास ही एक ऐसा कार्य है, जिसके लिए घर के अन्य सदस्यों की तरह बन्धुओं को भी अवकाश और अवसर मिलता रहे। जिन घरों में ऐसी व्यवस्था बन पड़े समझ लेना चाहिए कि उस घर में प्रगतिशीलता की प्रकाश-किरणों का प्रवेश आरंभ हो चका है और सड़न-सीलन अंधियारों वाले माहौल से उस घर को राहत मिल गयी है।

सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करना नर की तरह नारी के लिए भी आवश्यक है, अन्यथा वह सदा व्यवहारकुशलता से वंचित रहे जाएगी। परिवार के हर सदस्य के हर पक्ष में सुव्यवस्था, स्वच्छता और कलाकारिता का दर्शन होना चाहिए। परिवार के सदस्यों के बीच गहरा स्नेह-सौजन्य पनपना चाहिए।

यह कार्य गृहलक्ष्मी की भूमिका निभा सकने वाली दक्ष नारियां ही कर सकती है। आंगन में खेलने के लिए स्वर्ग को उतार सकना उन्हीं के कौशल पर निर्भर है। पर इस प्रकार की दक्षता सम्पादित करने के लिए समय भी तो मिलना चाहिए। गाय के दूध देने की अनुकम्पा प्रख्यात है, पर उसे भी दूहने के पहले घास-पानी का प्रबंध करना पड़ता है। यदि हेय स्तर की परम्पराओं के बीच ही किसी को दिन गुजारना पड़े, तो फिर ऐसी आशा कैसे की जा सकेगी कि वे देवियों जैसी भूमिका सम्पन्न कर सकेंगी।

इक्कीसवींशताब्दी नारी प्रधानशताब्दी है। इसमें उसे बढ़-चढ़कर उत्तरदायित्व निभाने पड़ेंगे। राजनीति में समाज-व्यवस्था में, आर्थिक खुशहाली में और परिवार को नर-रत्नों की खदान बनाने जैसे अनेक कार्य उसे करने होंगे। इसके लिए आज के संदर्भ में समय की आवश्यकताओं का पूरा कर सकने वाला एक स्वतंत्र शिक्षा-तंत्र खड़ा करना होगा। इसका ढांचा खड़ा करने के लिए जहां दूरदर्शी मनीषियों की उदार-सेवा भावना अपेक्षित है वहां उतना ही आवश्यक यह भी है कि नारी समुदाय से कुछ प्रतिभाएं उभरें और अपने समुदाय का उत्साहित एवं संगठित करके प्रगतिशील प्रशिक्षण में भागीदार बनाने के लिए अपने उत्साह का परिचय दें।

आनेवाले दिनों में जिस सर्वतोमुखी प्रगति की आशा-अपेक्षा की जा रही है उसमें पुरूष से भी अधिक नारी का योगदान होगा। इस दायित्व को वहन करने में उसे हर दृष्टि से समर्थ बनाने की महती सर्वतोमुखी प्रगति का सरंजाम जुट सकने का आधार खड़ा हो गया है। अगले दिनों जब नारी को मानवोचित अधिकार पाने और प्रगति करने की सुविधा मिलेगी, तभी यह माना जा सकेगा कि अर्धाग पक्षापात जैसी स्थिति से छुटकारा मिला और स्वतंत्रता के वरदान से हर किसी को लाभाविन्त होने का अवसर भी मिला जिसके बिना सब कुछ अधूरा ही पड़ा था।

आधी जनसंख्या का पुनरूत्थान एक प्रकार से उस समय विकास का परिचायक है जिसके अन्तर्गत किसी को भी अभावों और विपत्तियों के बीच गुजारा करने के लिए बाधित नहीं होना पड़ेगा।

अर्चना साहू
प्रदेश महिला महामंत्री, उ.प्र.
मो० 9473798798

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन एवं जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएँ।।

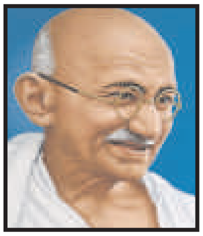

सुनील साहू

नरेश साहू

जिला अध्यक्ष -

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, कानपुर (उ.प्र.)

महामन्त्री -

मॉकर्माबाई जन कल्याण समिति (उ.प्र.)

प्रबन्धक-

आर्यावत इण्टर कालेज इटौरा, कानपुर (नगर)

प्रबन्धक-

महात्मा गाँधी एजूकेशन सेन्टर चवर, घाटमपुर, कानपुर

प्रबन्धक-

महात्मा गाँधी शिक्षा निकेतन, हलिया,मुसा नगर, कानपुर

निवास -

7 एल.आई.जी. हेमन्त बिहार बर्रा-2, कानपुर-27

सेक्टर वार्डन

नागरिक सुरक्षा कोर (उ.प्र.)

मोबाइल- 9451009341, 9195509341

मृत्यु भोज (एक सामाजिक बुराई)

हिन्दू धर्म में मुख्य १६ संस्कार बनाए गए हैं। तो सत्रहवां संस्कार तेरहवी कहा से आ गया। खोज करने से साबित होता है तेरहवीं संस्कार चन्द ढोगी लोगों को दिमाग की उपज है। किसी भी धर्म ग्रन्थ में मृत्यु भोज का विधान नहीं है। बल्कि महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है। मृत्यु भोज खाने से ऊर्जा नष्ट होती है। इसलिए महार्षि दयानन्द सरस्वती पं. श्री रामशर्मा, स्वामी विवेका नन्द जैसे महान मनीषियों ने जोरदार ढंग से विरोध किया है। जिस परिवार में बिपदा आई हो उसके साथ इस संकट की घड़ी में जरूर खड़े हो और तन मन से सहयोग करें और मृतक भोज का बहिष्कार करें।

जानवरों से सीखेः- किसी पशु, पक्षी का साथी बिछुड़ जाने पर वह उस दिन चारा नहीं खाता है जबकि ८४ लाख योनियों में श्रेष्ठ मानव जवान आदमी की मृत्यु पर हलुआ पूडी खाकर शोक मनाने का ढोंग रचता है।

धर्मशास्त्र रामायण, गीता, कुरान, बाइबिल में मृत्यु भोज सिर्फ लूले, लगड़े, अंधों, मोहताज, भिखारी तथा अनाथों के लिए लिखा है इसके साथ अपने सगे भाई, लड़के, दामाद, बहन और कन्याओं को खिलाना चाहिए, जिससे खाने वाले की अंतर आत्मा तृप्त हो और सभी मृतक को सद्गति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करें। बहुत से सज्जन कहते हैं कि अगर मृत्यु भोज नहीं करेगें तो सदगति नहीं मिलेगी, उद्धार कैसे होगा।

स्वर्ग कैसे मिलेगा। सभी धर्मशास्त्र कहते हैं कि मनुष्य अपने ही किए हुए कर्मो के अनुसार फल भोगता है अर्थात उसके कर्मों के अनुसार ही नरक अथवा स्वर्ग की होती है तुलसीदास जी के स्पष्ट किया है।

कर्म प्रधान विश्वकर रखा। जो जस कंराहि सो तसफल चाखा।।

मानवता के नाते मृत्यु भोज वन्द होना आवश्यक है जरा सोचिये मृतक का परिवार अपने प्रिय जन के विद्योह में शोक से व्याकुल है और इस शोक संतृप्ह वातावरण में हम अच्छे-अच्छे व्यंजन हषोल्लास के साथ ग्रहण करें। इस भीषण महंगाई में कहां तक उचित है।

प्रत्येक मनीषी और विचारवान सज्जन का कर्तव्य है कि मृत्युभोज का विरोध करें और इस कुप्रथा का समाप्त करने की पहल करें। परहित सरस धर्म नहि भाई। पर पीड़ा सम नहीं अंधमाई (तुलसीदास)।

आप मृत्यु भोज बन्द कराने में कैसे सहयोग करें।

कृपया मृतक के परिवार को मृत्यु भोज न करने की सलाह दे।

मृतक परिवार को इससे होने वाली हानि-लाभ को समझाए।

पहले खुद आदर्श स्थापित करें, फिर दूसरों को प्रेरणा दें।

स्वयं मृत्यु भोज में भोजन न करने की प्रतिज्ञा करें।

जो सज्जन साधन सम्पन्न हैं चाहे तो प्रियजन की यादगार में धर्मशाला आदि गरीब बस्तियों,अस्पतालों में फल, पोशाला लगवा कर हमेशा के लिए पुण्य के भागीदार बने।

१. मृत्यु भोज बंद होना चाहिए क्योंकि आज की कमर तोड़ महंगाई में एक अनावश्यक कुप्रथा है।

२. मृत्यु भोज के कारण शोकाकुल परिवार में अधिक आर्थिक संकट बढ़ता है।

३. मृत्यु भोज गरीबों को कर्ज़ में फंसाकर और भी गरीब बनाता है।

४. गरीब और आर्थिक संकट में फंसे भाईयों के लिए मृत्युभोज बंद कराना उन्हें नवजीवन प्रदान करना है।

५. तेरहवीं शोक संवेदना दिवस के रूप में मनाए

६. श्रृद्धाजंलि,शांक समवेदना प्रकट करने वाले आगन्तुक सज्जनों को मात्र चाय पान कराकर सभी सज्जनों के हाथ जोड़कर आभार प्रकट करें।

ऐसे कार्य करों जिसमें समाज में भलाई हो, मृतक भोज जैसी व्यर्थ की बातों में आज भी उलझे है जिससे लोगों का समय नष्ट होता है। मृतक भोज किसी भी शास्त्र में नहीं है केवल श्रृद्ध कर्म लिखा है। आज से चार सौ वर्ष पूर्व लिखे राम चरित्र मानस में श्री गोस्वामी तुलसी दास ने महाराज दसरथ के श्रृद्ध कर्म में व्यर्थ में जेवनहार का वर्णन नहीं किया है अपितु मरत ने किया उसका वर्णन इस प्रकार है।

जहां जिस मुनिवर आयुस दन्हि
जहां तहतहस भांति सवु कीन्हा।
भयें विशुद्ध दिए सब दाना
धेनु वाणिगज वाहन नाना।

श्राद्ध में दान की महिमा कही गयी है मृतक भोज की नहीं। ऐसे कार्य करें जगत एवम मानवता सुखी हो यही हमारी सच्ची श्रृद्धाजंलि है।

शिवसागर साहू
सह-संपादक चेतना संदेश
लखनऊ
मो० 9452572336

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

दिनेश 'सिल्लन साहू'

युवा प्रदेश अध्यक्ष

भारतीय तैलिक साहू राठौर, महासभा,म.प्र.

प्रदेश सचिव :

म.प्र. किसान कांग्रेस कमेटी

पता :

हाउसिंग कालोनी, बस स्टैण्ड के पास दतिया म.प्र.

मोबाइल : 09425309865

गौरवं घोर रौरवं

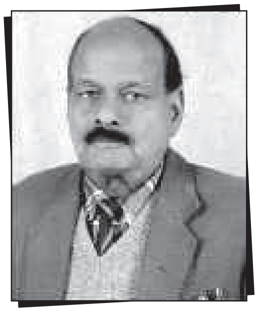

मैं एक सज्जन के आवास पर किसी संगोष्ठी में भाग ले रहा था। छोटा सा कार्यक्रम दो घंटे में समाप्त हो गया। हम लोग उनके मकान से निकाल कर बाहर खड़े थे। एक सज्जन ने उनकी आलीशान कोठी को देखकर कहा, कितना आलीशान मकान बनवाया है भाई साहब ने?इसे सुनते ही एक दूसरे सज्जन ने टिप्पणी की हां! मगर इसके ईंट गारे से कही गरीब व मज़लूमों की आहें सुनाई पड़ती है।'' जो सरकारी धनराशि गरीब किसानो की भूमि के संरक्षण में लगनी चाहिए थी, उनके खेतों की मेढों का निरीक्षण होना चाहिए था, वह भ्रष्टचार द्वारा हड़प कर इस कोठी में लगा दी गयी। मुझे तो गरीबों की सामूहिक लाशों पर खड़ा यह कब्रिस्तान दिखाई पड़ता है।

कितनी स्वाभाविक अभिव्यक्ति थी। एक ही इमारत को देखने के दो अलग-अलग दृष्टिकोण। अलग-अलग नज़रियां। आज समाज में भ्रष्टाचार इसलिए अपने चरम बिन्दुपर है क्योंकि जन साधारण उनकी अनैतिक साधनों से कमाई दौलत उनकी चमचमाती विदेशी गाड़ियां उनको अकूत दौलत, सैकड़ों एकड़ को फार्म देखकर उनकी प्रशंसा करने में लग जाता है। ऐसे पापा पारियों की प्रशंसा कर हम अप्रत्यक्ष रूप से भ्रष्टाचार और उनके दुराचरणा को बढ़ावा ही देते हैं।

सामाजिक बहिष्कार की भांति आसामजिक तिरस्कार हो। नफरत ऐसा शक्तिशाली हथियार है जो भ्रष्टाचारी को अंदर तक हिला डालता है। हम उसमें सीधा संघर्ष न करें, पर कम से कम उसकी प्रशंसा व गुणगान करने से तो बचें। हमने देखा है कि प्रतिदिन कमाने व खाने वाले श्रमिक भी अपना काम छोड़कर ऐसे भ्रष्टाचारियों के जुलूस या सभाओं में भीड़ जुटाने पहुंच जाते हैं, यह जानते हुए भी कि इसमें उन्हें अपना नुकसान करने के अतिरिक्त कुछ भी हासिल नहीं होना। ऐसा कर हम निश्चित रूप से हम उनके अनैतिक तौर तरीकों को बढ़ावा देने का काम करते हैं। कम से कम हम उनके साथ न खड़े हो। महात्मा गांधी के असहयोग आन्दोलन ने वर्तीनयां हुकूमत की जड़े हिला दी थी। यदि देश की १२५ करोड़ जनता ठान ले कि हमें इन अत्याचारियों के आचारण से हमें कर कदम पर असहयोग करना है, उनकी समाप्ति व ऐश्वर्य से नफरत रखनी है तो एक दिन ऐसा जरूर आएगा कि उन्हें अपने दुराचरण व बेशर्मी पर ग्लानि होने लगेगी।

'गौरव घोर रौरव' प्रतिष्ठा सूकरी विष्ठा! मनु स्मृति को इस कथन का अर्थ स्पष्ट है कि गौरव 'गौरव नर्क, के दरवाजे पर पहुंचाने का साधन मात्र है और प्रतिष्ठ को सुअर की निष्ठा समझ कर उससे दूर रहना चाहिए। प्रतिष्ठा आदमी के निर्बल मन की अतांद्वनीप आचरण के मल से अच्छादित कर देती है। मेरे विचार से भ्रष्टाचारों को दौलत व ऐश्वर्य से नफरत करना भ्रष्टचार को मिटाने का बड़ा सशक्त अस्त्र है।

हमारी न्याय प्रक्रिया भ्रष्टाचारी को दंड देती है पर समय बहुत लम्बा लग जाता है। भ्रष्टाचार से नफरत करना तत्काल प्रभावी है। बाफोर्स घोटाले के प्रति जन मानस में उपजी घृणा ने १९८९ में कांग्रेस सत्ता को कागज के सड़े टुकड़े की भांति हवा में उड़ा दिया था।

हर भारतीय को इस पर गम्भीरता से विचार कर तदनुसार आचरण करना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है अैरभारत मां के प्रति समर्पण भी तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ने का एक सशक्त माध्यम भी।

साहू बी.पी. जायसवाल
प्रभारी वैवाहिक प्रकोष्ठ
अ.भ. साहू राठौर तैलिक महासभा
मो० 9415765495

माँ गायत्री हास्पिटल

डा. वी.के.साहू   डा. योगेन्द्र साहू   मुकेश कु.साहू

माँ गायती हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

ISO 9001 : 2008 द्वारा प्रमाणित हास्पिटल

इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

माँ पार्वती डायग्नोस्टिक

उपलब्ध सेवायें

- अल्ट्रासाउन्ड, एक्सरे, पैथालॉजी, E.C.G. व समस्त प्रकार के टीकाकरण।
- शुगर, चेस्ट, पेट, लीवर, गुर्दे, पेशाब, ब्लड प्रेशर आदि का इलाज योग्य डाक्टरों द्वारा।
- आधुनिक विधियों द्वारा समस्त प्रकार के आपरेशन बिना चीरा टाँका दूरबीन विधि द्वारा एवं प्लास्टिक सर्जरी द्वारा ।
- महिलाओं से सम्बन्धित-प्रसव (डिलीवरी), बाँझपन, नसबन्दी, मल्टीलोड आदि की सुविधा व परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारियाँ।
- नवजात शिशुओं के लिये वारमर एवं फोटोथिरेपी (पीलिया कम करने की मशीन) की सुविधा उपलब्ध।

डा. वी. कुमार साहू कन्सलटैन्ट फिजीशियन (प्रबन्धक)

बी.-515 हंसपुरम, (एस.जे.इण्टर कालेज पुलिया), चन्दन धर्म कॉटा के सामने,
हमीरपुर रोड, नौबस्ता, कानपुर
सम्पर्क करें
हास्पिटल : 9838001016, फैक्स - 0512-2626127
मो.9839931015, 9235735427
ईमेल : maagayatrihospital515@gmail.com

व्यंग्य डॉक्टर कथा

उस दिनशाम को घर में पालक की सब्जी और रोटी पापा जी ने खाई रात को इतनी उल्टियां हुई कि पिता जी अच्छे भले चंगे थोड़ी ही देर में धराशाही हो गए। हमने सोचा कि हे ईश्वर पापाजी की पाचन संस्था इतनी दुर्बल क्यों है कि पालक की भाजी और रोटी भी हजम न कर सके। एक हमारे नेता है जो चारा यूरिया और टेलीफोन न जाने क्या क्या अगडम बगड़म चीजें पचा लेते हैं। डकार तक नहीं आती है। निश्चित ही उनके पिछले जन्म के पुण्य का फल है जो उन्हें ऐसी विराट पाचनशक्ति मिली। सुबह होते ही दावा नल की तरह मेरे पड़ोस में उल्टी काण्ड की खबर फैल गयी। मेरे एक पड़ोसी बड़ी ही गंभीर मुद्रा बनाकर बोला, मेरी माता जी को भी ऐसी उल्टियां हुई थी, जांच करवाने पर अल्सर निकला। दूसरे पड़ोसी ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा मेरे पिता जी को उल्टियों होती थी एक नामी डाक्टर को दिखाने पर पता चला कि उनकी आंत में कुछ अवरोध है। तभी मनोज जी चिन्तत मुद्रा में बोले अरे भाई एक दिन टीवी पर एक न्यूज आयी थी कि पालक में ऐसी कीटनाशक दवाइयां छिड़की जाती हैं कैंसर तक होने का खतरा है और किडनी पर भी दुस्प्रभाव पड़ सकता है। उन लोगों की बातें सुन कर हमारे होश उड़ गये और भय से थर्रा उठे। हमें कुछ लगा कि पापा जी का रामनाम सत्य होने वाला है हम बे लगाम घोड़े की तरह पापा को लेकर अस्पातल भागे और सीधे गैस्ट्रोडण्टोलॉजी विभाग में पहुंचे पाल के आम की तरह मुंह देख देखकर डाक्टर साहब का बदनामबुज उस तरह खिल उठा जैसे बेराक ओवामा को देखकर हमारे नेताओं का चेहरा खिल उठा था।

डाक्टर साहब ने प्रश्नों की बन्दूक हमारे ऊपर तान दी एवम दनादन गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। खाने में क्या खया था पालक बना भी थी तो उसे पकाने के पहले पानी में कितनी बार धोया था। फिर उसे किस ब्राण्ड के तेल में पकाया थ किस ब्राण्ड के मसाले डाले। मिर्च कौन सी डाली थी। लाल, हरी या काली। खाने पकाने में पानी कौन सा प्रयोग किया। डाक्टर की पूछताछ से लग रहा था पापाजी ने खाना न खाकर कोई सरकारी खजना डकार लिया हो हमारे पापा के ऊपर शंगलू जांच आयोग ही बैठाया जाने वाला हो। इसके बाद डा. साहब ने विभिन्न कोणों से मुआयना किया। आंख की पुतली खींचकर आंखों मे आंखे डाल कर इसे तरह देखा मानों आंख ही सारी बीमारी बयां कर देगी। फिर नाखूनों की बारी आयी। नाखूनों की जांच पड़ताल के बाद उन्होंने जीभ देखी। एक औजार से जीभ दबाकर पूरा मुहा खुलवा कर टार्च से अंदर की पूरी भौगोलिक संरचना का सर्वेक्षण किया इसके बाद डा. साहब बोले लम्बी सांस खीची सांस छोडी हमें लगा पापा कोई योग अभ्यास कर रहे हैं। इसके बाद लेटने को कहा पेट तो कई जगह जोरो से दबा दबा कर देखा मानों सोने की तस्करी कर बिस्कुट पेट में ही रख लिये हो। जांच अभियान सम्पूर्ण होने के बाद आप बेरियम एक्स-रे करवा लीजिये साथ ही यकृत एवम किडनी की भी जांच करवा लीजिए। कहने साथ उन्होंने यह सारे टेस्ट करने के लिए एक पेपर में लिखकर दिए। पापाजी ने कहा विस्फारित नेत्रों से डाक्टर से कहा हमें मूत्र संबंधी कोई भी तकलीफ नहीं है।

डाक्टर ने घूर कर देखा गुस्से से बोला डाक्टर आप है या मैं। यह सुनकर हम सहम गये। हम डा. से किसी किस्म की दुश्मनी मोल लेना नहीं चाहते फिर भी पता नहीं कब-कब इन डाक्टरों कीशरण में आना पड़े। और यह बदले की भावना से प्रेरित होकर किसी बहाने शरीर का कोई अंग ही निकाल ले। हमने उनकी बात मानने मे भलाई समझी और सारे टेस्ट करवा लिए। सारी रिपोर्ट सही निकली। हमें लगा हमने कोई किला फतेह कर लिया हो। तभी डा. गंभीर होकर बोला आपको एक दो और टेस्ट करवाने होगे। यह सुनकर हमारे ओठो की मुस्कार छिन गयी जैसे कि घोटाता मामला को लेकर अपने पद से इस्तीफा देते वक्त अधिकारी की कुर्सी छिन जाती है। मेरे पिता जी दुख भरी आवाज में बोले डा. साहब कोई सीरियस बात है क्या? इस महीने का वेतन खर्च हो गया २० दिन कैसे कटेगे। डाक्टर ने संतावना देते हुए कहा जहां हम है वहां यमराज का क्या काम है। हम डाक्टर साहब की बात समझ पाते इसके पूर्व ही बोले आप एण्डोस्कोपी और कोलोनीस्कोपी भी करा लिजिए काफी यंत्रणा झेलकर दोनों टेस्ट भी करा लिए। इनकी रिपोर्ट भी एकदम सही निकले। डाक्टर साहब बोले इनको पांच छह दिन इन्हें पतली खिचड़ी खिलाइए यदि तब फायदा न हो तो फिर मेरे पास आना।

अब तो हमारे सब्र का प्याला छलक ही पडा। मन ये हुआ कि डाक्टर के दाढ़ी के सारे बाल नोच डालूं। हमने खुद पर नियंत्रण रखा झुंझलाए हुए स्वर में कहा डाक्टर साहब यदि और भी कोई स्कोपी हो तो बताएये वह भी कराए लाते हैं। डाक्टर ने बड़े ही शांत स्वर में उत्तर दिया अभी तक तो वैज्ञानिकों ने इतने ही आविष्कार किया है, भविष्य में यदि कुछ और आविष्कार हुए तो मैं आपको सूचित करूंगा हमारा तो काम मरीजों की सेवा करना है कृपया अपना मोबाइल नंबर मुझे दे दिजिए।

पापा की उलटियों ने हमारे महीने भर का बजट ही उलटा करके रख दिया मैं सोचने लगा कि हमारे देश में कैसे-कैसे डाक्टर हैं जो साधारण मरीजों को बुद्ध बनाकर महंगे टेस्ट कराने के लिए बाध्य करते हैं।

राजेश साहू
लखनऊ
मो. 9453973001

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

साउथ सिटी हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

दक्षिण क्षेत्र का एक मात्र समस्त सुविधाओं से परिपूर्ण हास्पिटल

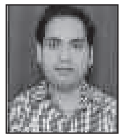

डा० हिमांशु साहू
एम.पी.टी. (आर्थो.) वी.सी.पी. (मुम्बई)
पूर्व जयपुर गोल्डेन हास्पिटल, नई दिल्ली

डा० प्रिया साहू
बी.ए.एम.एस.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)

हेल्पलाइन : 7618971915, 9473864426

सुविधाएँ- ÷ सभी प्रकार के ऑपरेश (जनरल ऑपरेश, हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा, स्त्री रोग, नाक, कान एवं गला के ऑपरेशन) की सुविधा।
÷ नार्मल डिलेवरी एवं ऑपरेशन द्वारा प्रसव सुविधा।, ÷ पित्त की थैली व पथरी के ऑपरेशन दुरबीन विधि द्वारा।
÷ बिना चीरा, बिना टांका बच्चेदानी का ऑपरेशन ÷ 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा व भर्ती की सुविधा।
÷ समस्त उपचार वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाता है। ÷ समस्त इलाज रियातयती दर पर किये जाते है।

X Ray एवं पैथोलॉजी सुविधा उपलब्ध

7डी,-1 जरौली फेस-1, 80 फिट कर्रही मेन रोड (निकट पानी की टंकी), कानपुर

परिवार में ध्यान रखने योग्य बातें

महाभारत में पांडवों का परिवार श्रेष्ठ परिवार था। उस परिवार में एक-दूसरे के प्रति जैसा प्रेम,समर्पण और कर्तव्य की भावना का ज्ञान था, वैसा आज के परिवार में नहीं मिलता है। इसी वजह से घर-परिवार में झगड़े और अशांति रहती है।

परिवार में जरूरी है कर्तव्य निभाना

परिवार होता क्या है?ऐसे लोगों का समूह जो भौतिक और मानसिक स्तर पर एक-दूसरे से जुड़ा हो। जिसके सभी सदस्य अपना फर्ज पूरी ईमानदारी से निभाते हैं और उदारता पूर्वक एक-दूसरे के लिए त्याग करते हैं, परेशानियों में सहयोग करते हैं। कोई भी परिवार संगठित, विकसित और उन्नतिशील तभी हो सकता है, जबकि उसका प्रत्येक सदस्य अपने कर्तव्य को अपना धर्म मानकर पूरी निष्ठा और गहराई से पालन करे।

परिवार में होना चाहिए एक-दूसरे के प्रति समर्पण

महाभारत में पांडवों के परिवार में मां कुंती और पांच भाई थे। मां ने पहले अपने कर्तव्य निभाए। अपनी सौतन माद्री की दोनों संतानों नकुल और सहदेव को भी अपने बच्चों जैसा ही प्रेम और परवरिश दी। अच्छे संस्कार दिए। मां के मुंह से निकली हर बात को पूरा करना, बड़े भाई के प्रति आदर हर भाई को अपने कर्तव्य का भालीभांति ज्ञान था। किसे क्या करना है, यह जिम्मेदारी तय थी। तभी पांडव जहां भी रहे, हमेशा सुखी रहे। जिन परिवारों में ऐसा समर्पण नहीं होता, वहां अक्सर झगड़े अशांति और बिखराव की स्थिति पैदा हो जाती है।

परिवार की खुशहाली और समृद्धि तभी संभव है, जबकि परिवार का कोई भी सदस्य स्वार्थी, विलासी और दुर्गुणी न हो। यदि परिवार में धर्म-कर्तव्यों के प्रति पूरी आस्था और समर्पण होगा तो वे अच्छी तरह से समझ पाएंगे कि स्वार्थ की स्नेह-सहयोग का माहौल ही है। किसी भी परिवार में अशांति या मन-मुटावा तभी पैदा होता है जब सदस्यों में अपने कर्तव्य का अधिकार को पाने की अधिक है।

यदि कर्तव्य और गहराई से समझकर इनकी बीच साध लिया जाए तो कोई टूटने और बिखरने से बच यानी जिस परिवार में अधिकार कर्तव्यों की फिक्र की जाती है स्नेह, सहयोग और सद्भावना पाती है।

जहां पर इस तरह हुई सोच होगी वहीं पर सुख भरा पूरा परिवार होगा।

हीरालाल गुप्ता
प्रदेश संगठन सचिव, लखनऊ
मो० 9415464619

मलेरिया के कारण एवं निवारण

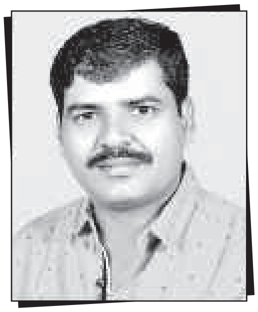

बारिश के मौसम में कई बीमारियां सिर उठाने लगती हैं। बचने का भरपूर इंतजाम रखें।

मानसून के बाद कई बीमारियां सिर उठाने लगती हैं। उनमें एक प्रमुख बीमारी है मलेरिया। मलेरिया का खतरा हमारे चारों ओर मंडराता रहता है। मलेरिया की फेल्सीपेरम किस्म तो बेहद खतरनाक और जानलेवा भी है। मलेरिया के मच्छरों से बचने के जो भी उपाय आप चाहें करें, लेकिन इस चेतावनी की गांठ जरूर बांध लें कि एक मच्छर भी खतरनाक हो सकता है। मलेरिया के प्रभावी इलाज की पर्याप्त दवाएं उपलब्ध हैं, लेकिन समय पर मलेरिया का इलाज न किया जाए तो खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मलेरिया का खतरा

पिछले कुछ सालों की विश्व मलेरिया रिपोर्ट पर गौर करें तो भारत के ७० प्रतिशत से अधिक लोगों पर मलेरिया के संक्रमण का खतरा हमेशा मंडराता रहता है। इनमें तकरीबन एक तिहाई पर इसका बेहद गंभीर खतरा बना रहता है। मलेरिया दवारोधी भी हो सकता है। गंभीर स्थिति पैदा करने वाले मलेरिया की कुछ किस्म पर अब दवा काम नहीं कर रही है।

आंकडों की सच्चाई चाहे जो हो, इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है कि मलेरिया के मरीज को समय पर इलाज न मिले तो वे बेहद बुरे संकट पर फँस जाते हैं। केवल मानसून ही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट भी कहती है कि भारत में मलेरिया का खतरा साल भर रहता है। मानसून में और इसके ठीक बाद इसका खतरा खास बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह आकलन भी बेहद चिंता का विषय है कि भारत में मलेरिया के ४०-५० प्रतिशत मामले खतरनाक किस्म के मलेरिया के हो रहे हैं।

क्या है कारण?

मलेरिया प्लाजमोडियम नामक एक परजीवी के संक्रमण से होता है। मादा एनेफिलिस मच्छर के काटने से यह संक्रमण हो जाता है। जहां कहीं भी साफ और प्राकृतिक पानी ठहरा रहता है, वहां से मच्छर पैदा होते हैं। अभी मानसून में बारिश का पानी जगह-जगह जमा हो जाता है, वहां ये मच्छर खूब पनपते हैं।

लक्षण

मलेरिया होने पर तेज बुखार सहित फ्लू जैसे कई लक्षण सामने आते हैं। इनमें ठंड के साथ जोर की कंपकंपी, सिर में दर्द, मांशपेशियों में दर्द, थकावट आदिशामिल हैं। मितली, उल्टी डायरिया जैसे लक्षण भी हो सकते हैं खून की कमी और आंखों के पीला होने जैसी स्थितियां भी आ सकती है।

क्या है बचाव

मलेरिया के मच्छर एक जगह ठहरे पानी में पैदा होते हैं। मानसून में ऐसी स्थितियां जगह-जगह बनती है। अपने घरों एवं उनके आसपास पानी जमा न होने दें। पानी की टंकियों, कंटेनरों और बरतनों को हमेशा ढक कर रखे। मच्छरों को भगाने वाले कीट द्रवीय पदार्थ, क्यॉयल, स्प्रे, मैट आदि का प्रयोग जरूरी है। खिड़कियां जालीदार हों तो इन मच्छरों से काफी सुरक्षा मिलती है। वैसे तो मलेरिया रोधी दवाइयां भी हैं, लेकिन उन्हें रोज खाना पड़ता है जो संभव नहीं। लोगों को हर दिन एहतियात बरतना होगा। दैनिक जीवन की सावधानियों में पूरी बांह कीशर्ट पहनना, कमरे में मच्छरदानी लगाकर सोना आदि बेहतर उपाय है।

डा. बी.कुमार साहू
मण्डल अध्यक्ष
कानपुर
मो. 9839931015

क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद

काकोरी ट्रेन डकैती और साण्डर्स की हत्या मेंशामिल निर्भय क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्म २३ जुलाई १६०६ को उन्नाव, उत्तरप्रदेश में हुआ था। चंदशेखर आजाद का वास्तविक नाम चंद्रशेखर सीताराम तिवारी था। चंद्रशेखर आजाद का प्रारंभिक जीवन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र भंवरा गांव में व्यतीत हुआ। भील बालकों के साथ रहते-रहते चंद्रशेखर आजाद ने बचपन में ही धनुष बाण चलाना सीख लिया था। चंद्रशेखर की माता जगरानी देवी उन्हें संस्कृत का विद्वान बनाना चाहती थीं। इसलिए उन्हें संस्कृत सीखने के लिए काशी विद्यापीठ बनारस भेजा गया। दिसंबर १६२१ में उन्होंने गांधी जी के असहयोग आंदोलन में भाग लिया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित किया गया। जब चंद्रशेखर से उनका नाम पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आजाद और पिता का नाम स्वतंत्रता बताया। यहीं से चंद्रशेखर सीताराम तिवारी का नाम चंद्रशेखर आजाद पड़ गया था। चंद्रशेखर को पंद्रह दिनों के कड़े कारावास की सजा दी गयी।

१६२२ में गांधी जी ने असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया। इससे आजाद बहुत अहत हुए। उन्होंने ठान लिया कि किसी भी तरह देश को स्वतंत्रता दिलवानी ही है। एक युवा क्रांतिकारी प्रवेश चटर्जी ने उन्हें हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन जैसे क्रांतिकारी दल से संस्थापक राम प्रसाद बिस्मिल से मिलवाया। चंद्रशेखर आजाद के समर्पण और निष्ठा की पहचान के बाद बिस्मिल ने चंद्रशेखर को अपने संस्था का सक्रिय सदस्य बना लिया। अंग्रेजी सरकार के धन की चोरी और डकैती जैसे कार्यों को अंजाम देकर चंद्रशेखर अपने साथियों के साथ संस्था के लिए धन एकत्र करते थे। लाला लाजपत राय की हत्या का बदला लेने के लिए चंद्रशेखर ने अपने साथियों के साथ मिलकर सॉण्डर्स की हत्या भी की थी।

आजाद का यह मानना था कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए संघर्ष की राह में हिंसा कोई बड़ी बात नहीं। जलियावाला बाग जैसे अमानवीय घटनाक्रम जिसमें हजारों निहत्थे और बेगुनाहों पर गोलियां बरसाई गई चंद्रशेखर को बहुत आहत किया जिसके बाद ही उन्होंने हिंसा का मार्ग चुना। चंद्रशेखर ने एक निर्धारित समय के लिए झांसी को अपना गढ़ बना लिया। झांसी से पंद्रह किलोमीटर दूर ओरछा के जंगलों में वह अपने साथियों के साथ निशानेबाजी किया करते थे। अचूक निशानेबाज होने के कारण चंद्रशेखर दूसरे क्राांतिकारियों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ पंडित हरिशंकर ब्रहमचारी के छद्‌म नाम से स्थानीय लोगों के बीच लोकप्रिय हो गये थे।

१६२५ में काकोरी कांड हुआ जिसके आरोप में अशफाक उल्ला खां, बिस्मिल समेत अन्य मुख्य क्रांतिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई। जिसके बाद चंद्रशेखर ने इस संस्था का पुनर्गठन किया। भगवतीचरण वोहरा के संपर्क में आने के बाद चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू के भी निकट आ गये। इसके बाद भगत सिंह के साथ मिलकर चंद्रशेखर ने अंग्रेजी हुकूमत को डराने और भारत से खदेड़ने का हरसंभव प्रयास किया।

१६३१ में फरवरी के अंतिम सप्ताह में आजाद गणेशशंकर विद्यार्थी से मिलने सीतापुर जेल गये। इसके बाद वे साथी सुख देवराज के साथ एल्फ्रेड पार्क चले गये। वे आगामी योजनाओं के विषय में बात ही कर रहे थे कि पुलिस ने उन्हें घेर लिया। लेकिन उन्होंने बिना सोचे अपनी जेब से पिस्तौल निकालकर गोलियां दागनीशुरू कर दीं दोनों ओर से गोली बारी हुई। लेकिन जब चंद्रशेखर के पास मात्र एक ही गोलीशेष रह गई तो उन्हें पुलिस का सामना करना मुश्किल लगा और यहीं शहीद हो गये।

सितारा देवी गुप्ता
लखनऊ

युवाओं के प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलाम

इस दुनिया में भले ही न हों पर स्टूडेंट्स के दिलों में वे आज भी जीवित हैं। आईआईएम शिलांग में लेक्चर के दौरान हार्ट अटैक से उनकी जीवन लीला समाप्त हो गई थी पर उनकी कही बात आज भी प्रेरणा देती है कोई उनके इंस्पायरिग स्पीच को याद करके उनको अपने बीच महसूस कर रहा है तो कोई उनके जीवन संघर्षों से सीख लेने की कोशिश कर रहा है।

सपने पूरे करने का देते थे गुरूमंत्र डा. कलाम के संदेश

१.सपना वो नहीं है जो आप नींद में देखें सपने वो हैं जो आपको नींद ही नहीं आने दें।

२.इंतजार करने वाले को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।

३.एक अच्छी किताब हजार दोस्तों के बराबर होती है जबकि एक अच्छा दोस्त एक लाइब्रेरी के बराबर होता है।

४. सूरज की तरह चमकना है, तो सूरज की तरह जलना भी पड़ेगा।

५. देश का सबसे अच्छा दिमाग क्लासरूम की आखिरी बेन्चों पर मिल सकता है।

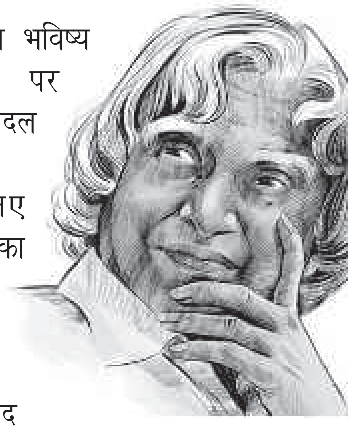

६. आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते, पर अपनी आदतें बदल सकते हैं।

यकीन मानिए आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देती।

७.अपनी पहली सफलता के बाद आराम मत करों क्योंकि अगर आप दूसरी बार में असफल हुए तो बहुत लोग कहने से नहीं चूकेंगे कि आपकी सफलता एक तुक्का थी।

८. जब हमारे दस्तखत आटोग्राफ में बदल जाए तो ये सफलता की निशानी है।

९.सफलता से ज्यादा असफलता की कहानियां पढ़ों उनसे आपको सफल होने के विचार मिलेंगे।

१० शिखर पर पहुंचने के लिए सामर्थ्य चाहिए फिर वो माउण्ट का शिखर हो या आपके कैरियर का।

उमा साहू
वरिष्ठ उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं

जब जन्म लेती है बेटी
वो दिल होता है शुभ
मां कहती है घर में आ गई लक्ष्मी
मन के रोम-रोम को आनन्दित करती है बेटी
जीवन के हर रूप में जीना सिखाती है बेटी
बेटी-बहन मां दादी-नानी बन जाती है बेटी
माता-पिता की आन बढ़ाती है बेटी
हर गम को हंसकर सहन करती है बेटी
मुश्किलों को आसान करती है बेटी
दोहरा जीवन जी कर
सबका सम्मान बढ़ाती है बेटी
दुल्हन बनकर घर से जब विदा होती है बेटी
दो परिवारों के रिश्तों को मधुर बनाती है बेटी
जब जन्म लेती है बेटी
वो दिन होता है शुभ
इसलिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

विन्देश्वरी साहू
महिला जिला अध्यक्ष
(लखनऊ)

कविता

बनो एक सब मिल विषमता मिटाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ
अगर फूट हममें परस्पर न होती
न ये भेद अथवा छुआ छूत होती
जकड़ती हमें भला क्यों गुलामी
रहे हम हमेशा अखिल विश्व स्वामी
बढ़ेशक्ति फिर एकता की बढ़ाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ

प्रकृति भी नहीं भेद करती किसी से,
लुटाती सहज सम्पदाएं खुशी से
पवन ज्योति जल बांटती है बराबर,
किसी जीव तक का न होता निरादर
करें भेद हम फिर भला क्यों बताओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ

हटे देश सेशीघ्र सारी विषमता
हटे यदि हमारे हृदय से कृपणता
गिरे हैं उन्हें अब हृदय से लगाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ
बनो एक सब मिल विषमता मिटाओ
जगो तुम स्वयं राष्ट्र को भी जगाओ

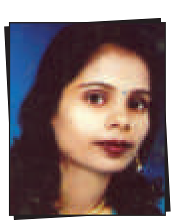

निधि राठौर
गोविन्दपुरी,नई–दिल्ली
मो0 9718922031

नारी

नारी ने सवांरी सृष्टि सारी बलिहारी होके,
जगत की सारी गतिविधियां विचारी है।
बुद्धिमानी स्वाभिमानी स्नेह करूगा की दानी,
बन अनजानी रही युग की प्रचारी है।।
प्रेम त्याग ज्ञान बलिदान में रहे जो आगे,
ऐसी दिव्य भावना की मूर्ति जयकारी है।
ऐसी मातृ-शक्ति की ये दुनिया पुजारी है।।

लेके जन्म कन्या रूप होकेशक्ति की स्वरूप,
त्याग भाव भक्ति की त्रिवेणी बन जाती है।
चली अविराम है करे न विश्राम कभी,
जगत दुलार स्नेह सार बरसाती है।।
समझ सके न जो दुलार कोई दुष्ट यदि,
बन झांसी रानी तलवार चमकाती है।
राष्ट्र निर्माण हेतु हद से गुजर कर,
पन्नाधाय वाला इतिहास धर जाती है।

आर्चाय शैलेन्द्र राठौर
हरदोई
मो : 9792756911

श्री ओ.पी. माथुर, श्री महेन्द्र मोहन, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अमित शाह
डा0 दिनेश शर्मा,श्री शिव प्रकाश से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामनरायन साहू पूर्व सांसद लखनऊ, होटल ताज मे वार्ता करते हुए।

झारखण्ड के मा0 मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास को पुष्प द्वारा स्वागत करते हुए श्रीमती विजयलक्ष्मी साहू, महिला प्रदेश अध्यक्ष,उ0प्र0।

नई दिल्ली के महाराष्ट्रा सदन मे अति पिछडे समाज की बैठक मे मा0 मंत्री रामदास अठावले मा0 सांसद, चन्दुलाल साहू के साथ श्री रामनरायन साहू।

श्री रामनरायन साहू से मुलाकात करते हुए आन्ध्रप्रदेश से आई.पी.एस. मे चयनित समाज का बेटा एम.सुर्दशन एवं तेलगाना के युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण तेली

मुम्बई मे भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के युवा सम्मेलन का सम्मानित मंच।

मुम्बई के कार्यक्रम मे श्री उमेश नन्नलाल साहू का स्वागत करते हुए श्री विष्णु गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष, दादर नगर, हवेली।

उत्तराखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष श्री ललित राठौर प्रदेश महामंत्री संगठन भाजपा से वार्ता करते हुए।

शाहजहांपुर के कार्यक्रम मे श्री अमृतलाल साहू,पीसीएस, श्री रवीन्द्र सिंह राठौर, भाजपा, जिलाध्यक्ष, बरेली का स्वागत करते जिलाध्यक्ष डा. विनोद राठौर।

मुम्बई के कार्यक्रम मे श्री लालजी भाई रा0वरिष्ठ उपाध्यक्ष का स्वागत करते मुम्बई के प्रमुख महासचिव श्री रतिलाल गुप्ता।

स्मृति

जन्मशती वर्ष पर विशेष

किशोर साहू

किशोर साहू उन विरले फिल्मकारों में थे, जिन्होंने साहित्य रचते हुए फिल्में भी बनाई और उन फिल्मों से हिंदी साहित्यकारों को भी जोड़ा। यह अलग बात है कि उनकी फिल्मों को तो कभी-कभार याद कर लिया जाता है, लेकिन उनके साहित्यिक योगदान पर चर्चा नहीं होती।

उनका नाम लिया जाए, तो सिनेमा के शौकीन भी पूछते है कौन किशोर साहू। दरअसल आजादी से पहले फिल्मकार के रूप में स्थापित हो चुके किशोर साहू को याद रखने वाली आखिरी पीढ़ी की संख्या भी तेजी से कम हो रही है। २२ अक्तूबर १६१५ को छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव में जन्मे किशोर ने स्कूल के जमाने से ही नाटकों का साथ पकड़ लिया। नागपुर के मॉरिस कालेज में प्रवेश लेने के बाद साहू न सिर्फ नाटकों में रच-बस गए, बल्कि कहानियों भी लिखने लगे।

लिखने की प्रेरणा उन्हें घर से ही मिली, उनके पिता कन्हैया लाल साहू हिंदी के लेखक थे। कॉलेज से निकलने के बाद उन्होनें नाटक की दुनिया में ही जाने का ही फैसला किया। इस बीच सुंदर और प्रभावशाली साहू को उनके दोस्तों ने राय दी कि वह मुंबई जाकर फिल्मों में भाग्य आजमाएं। उन्होने मुंबई का रूख किया। दूसरे बहुत से लोगों की तरह साहू को भी काम ढूंढने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। संघर्ष के दौर ने ही उनकी मुलाकात अशोक कुमार से कराई । साहित्य में रूचि और अभिनय की बारिकियों पर साहू की बेबाक बातों ने अशोक कुमार को काफी प्रभावित किया। अशोक कुमार की सिफारिश पर बॉम्बे टाकीज के मालिक हिमांशु राय साहू से मिलने पर राजी हो गए और इस मुलाकात के बाद साहू की किस्मत बदल गयी। हिमांशु रान ने उन्हें अपनी फिल्म जीवन प्रभात (१६३८) में हीरो का रोल दे दिया। साहू की नायिका थीं हिमांशु राय की पत्नी देविका रानी। किशोर साहू की पहली ही फिल्म हिट हो गई। इस फिल्म में साहू ने एक रईस जमींदार के बेटे का रोल निभाया था। उन्होंने हीरोइन के साथ बाग में गाने गाए और शिकार के एक दृश्य में मचांन पर चढ़कर शेर भी मारा। इस फिल्म के बाद उन्होने खुद ही फिल्म बनाने की ठान ली। मगर उनके हालात ऐसे नहीं थे। निराश साहू वापस नागपुर लौट गए और लेखन में जुट गए। तभी एक दिन उनके दोस्त द्वारका दास डागा उनसे मिलने आए। वे लखपति व्यवसायी थे। मुंबई में उनके भाई का अपना व्यवसाय था साहू ने डागा को बताया कि अपनी मर्जी की फिल्म में काम किए बिना उन्हें संतुष्टि नही मिल सकती और ऐसा करने के लिए उन्हें अपनी फिल्म कंपनी खोलनी होगी, जिसकी हैसियत उनमें नही है। डागा फिल्म प्रभात देख चुके थे और किशोर साहू की प्रतिभा का पहले से ही अंदाजा था, इसलिए वे साहू के साथ मिलकर फिल्म कंपनी खोलने पर राजी हो गए। इस तरह 'इंडिया आर्टिस्ट लिमिटेड' नाम की फिल्म निर्माण संस्था का जन्म हुआ। इस बैनर की पहली फिल्म थी बहूरानी। साहित्य के प्रति गहरा अनुराग रखने वाले साहू ने इस फिल्म के लिए अनूप लाल मंडल के उपन्यास 'मिमांसा' को आधार बनाया। फिल्म बहूरानी, अछूत विषय पर अपने समय की बेहद चर्चित और क्रांतिकारी फिल्म साबित हुई। इसके बाद साहू ने बॉम्बे टॉकीज की फिल्म पुनर्मिलन में काम किया। यह फिल्म भी सफल रही और इस तरह साहू के खाते में लगातार तीसरी सफल फिल्म आई। यहीं पर साहू ने अपने अभिनय का एक और रंग प्रस्तुत किया और कुंवारा बाप नाम की फिल्म बनाई, जो आज भी भारत की बेहतरीन हास्य फिल्मों में शुमार की जाती है। किशोर साहू ने अपने मित्र और हिंदी के प्रसिद्ध लेखक अमृतलाल नागर से कुंवारा बाप के डायलॉग लिखवाए थे और अभिनय भी कराया था।

जब किशोर साहू के हास्य अभिनय के चर्चें हो रहे थे, तब उन्होंने एंग्रीमैन का रोल निभाने का फैसला किया।

फिल्म का नाम था राजा। इस फिल्म के लिए भागवतीचरण वर्मा ने गीत लिखे-'है आज यहां कल वहां चलों।' फिल्मों से जुड़े रहने के साथ किशोर साहू ने लिखना भी जारी रखा। ज्यादातर रचनाएं हिंद पॉकेट बुक्स से छपीं, जिसमें 'टेसू के फूल' , छलावा और चार उपन्यास भी लिखे, जिसमें 'धुएं की लकीरें खूब चार्चित हुआ। उनके नाटकों का संग्रह था 'शादी या ढकोसला है'। इसके अलावा उनके गीतों का भी एक संग्रह है। उनकी लेखन प्रतिभा को देखते हुए अपने समय की सबसे चर्चित फिल्म पत्रिका फिल्म इंडिया के संपादक बाबू राव पटेल ने किशोर साहू को आचार्य किशोर साहू लिखना शुरू किया था। काली घटा, साजन सिंदूर और वीर कुणाल संहिता किशोर साहू ने करीब २२ फिल्मों का निर्देशन किया। प्रथम उप-प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री सरदार बल्ल भाई पटेल ने मुंबई में वीर कुणाल को रिलीज करते हुए इसे श्रेष्ठ फिल्म घोषित किया था।

साथ ही साहू ने अभिनय पर्दे पर भी अलग-अलग शेड प्रस्तुत किए। फिल्म 'गाइड' में उनके सशक्त अभिनय को भला कैसे भूला जा सकता है। आखिरी सालों में किशोर साहू फिल्मी दुनिया में आ रहे बदलावों को लेकर बहुत क्षुब्ध रहने लगे थे। वह उस दौर के थे, जब मेहनत ईमानदारी और उसूल बड़ी चीज़ हुआ करते थें, लेकिन सत्तर के दशक में हालात तेजी से बदलने लगे। किशोर साहू ने अपनी बेटी नयना को लेकर भी फिल्म 'हरे कांच की चूड़ियां (१९६७) बनाई, लेकिन तब तक उनके समय के फिल्मकार हाशिये पर पहुंचते जा रहे थे। अगस्त १९८० में अपने निधन से पहले तक किशोर साहू एक भव्य फिल्म की योजना पर काम करते रहे, लेकिन तब तक समय लिख चुका था- दि एंड।

सौजन्य से - **रामजीत साहू**
जनपद- सिद्धार्थनगर, उ.प्र.
मोबाइल : 8354099937

अनमोल रत्न

कभी मत सोचिये कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है. ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है.अगर कोई पाप है, तो वो यही है ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं.

–स्वामी विवेकानन्द

अगर धन दूसरों की भलाई करने में मदद करे, तो इसका कुछ मूल्य है, अन्यथा, ये सिर्फ बुराई का एक ढेर है, और इससे जितना जल्दी छुटकारा मिल जाये उतना बेहतर है.

–स्वामी विवेकानन्द

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिये कि आप क्या सोचते हैं. शब्द गौण हैं. विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं.

–स्वामी विवेकानन्द

आने वाली फिल्में

Sep. 23 , 2016 :	Banjo
Sep. 30, 2016 :	M.S. Dhoni : The untold Story
Oct. 07, 2016 :	Mirzya
Oct 14, 2016 :	Mahayodha Ram
Oct. 28, 2016 :	Shivaay
:	Ae Dil Hai Mushkil
Nov 11, 2016 :	Rock on 2
:	Chaar Sahibzaade
:	Rise of Banda Sing
:	Bahadur
Nov 18, 2016 :	Tum Bin 2
:	Force 2
:	Jeena Isi ka naam hai
Nov 25, 2016 :	Dear Zindagi
:	Kahaani 2

जन वाणी

महोदय,

पत्रिका का लक्ष्य पूरा करते हुए द्वादशम अंक सकुशल प्रवेश करने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

दूसरे वर्ष का प्रथम अंक सामयिक और पर्याप्त उपयोगी लगा।

सामज को प्राप्त राजनीतिक उपलब्धियों का विवरण पढ़कर सुखद अनुभव हुआ।शेष जनपदों की जानकारी भी किसी भी प्रकार एकत्रित की जाने योग्य है। पत्रिका प्रतिनिधि और चेतना मंच के अध्यक्ष नियुक्त करने की योजना फलवती हो रही है। प्रतिनिधियों को हर प्रकार से प्रोत्साहित, सक्रिय करते रहिए।

डा. वी कुमार की चिकित्सा लेखन तथा रोगियों को परामर्श-सेवायें स्तुल्य है। और भी डाक्टरों को लेखन से जोड़ा जायें।

साथ ही साथ अन्य सभी कवि लेखकों की रचनाएं साहित्यिक और समाजोपयोगी लगी। उत्तर प्रदेश के स्वजातीय लेखन सामने आयें जिससे हमारा साहित्यिक पिछड़ापन दूर हो सके।

कामताप्रसाद साहू हरबसपुर,कानपुर

महोदय,

चेतना संदेश अंक जून २०१६ सपनो को स्वीकारे खुशी हुई जितेंद्र माथुर द्वारा प्रस्तुत लेख पढ़कर बहुत सारा ज्ञान मिला। अगर मनुष्य अपने मन में लगन के साथ कठिन परिश्रम करे तो वह एक दिन अवश्य ही सफलता के ऊंचे शिखरों पर पहुंच जायेगा। इसके सफल प्रकाशन के लिए सम्पादक महोदय को मेरी शुभकामनायें।

विशाल कुमार गुप्ता, देवरिया

महोदय,

चेतना संदेश का जनवरी-जून २०१६ अंक गागर में सागर भरना को चरितार्थ कर गया। इस अंक के माध्यम से पाठकों को ढेरों उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक जानकारियां मिली। कैरियर उद्यम कृषि चर्चा, स्वास्थ्य परिचर्चा एंव नारी जगत के स्तम्भ अति पसंद आये। अगर पत्रिका में मौलिक चुटकुलों को भी स्थान मिले तो हास्य की कमी भी पूर्ण हो जायेगी।

सी एल साहू महोबा

महोदय,

मुझे आपके द्वितीय वर्ष का प्रथम अंक जून २०१६ मिला जिसके के लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। इस पत्रिका के पूर्व जो अंक प्रकाशित हुए थे वह तो उत्तम थे ही किंतु यह अंक तो अति उत्तम है। इस पत्रिका की प्रत्येक सामग्री पिछले अंकों की अपेक्षा अधिक आकर्षक, मनभावन थी। डा. उमेश नन्दलाल जी का लेख आज की आवश्यकता जातीय समरसता पत्रिका में दिये गये रूचिकर व ज्ञानवर्धक लेखों से जहां हमारा स्वस्थ्य मनोरंजन होता है वहीं ज्ञानार्जन भी होता है। स्वास्थ्य परिचर्चा, कैरियर, कविताएं पहेलियां व अन्य नानाभांति के लेख बेहद रूचिकर व ज्ञानवर्धक लगे। पत्रिका की महानता व गुणवत्ता पर जितने भी पन्ने लिखे दिए जाएं कम हंगे फिर भी यदि आपकी इस पत्रिका को संक्षिप्त रूप में गागर में सागर कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

सुमन साहू प्रदेश अध्यक्षा महाराष्ट्र

महोदय,

आप द्वारा प्रेषित जून २०१६ की चेतना संदेश प्राप्त हुई पत्रिका से सारगर्भित व शिक्षाप्रद पाठय सामग्री और उसके विद्धत सम्पादन ने इन अंक में चार चांद लगा दिए हैं और यह पत्रिका अपने व जागृति के मूल लक्ष्य में सफलता के नये आयाम स्थापित कर रही है। पत्रिका के आगामी अंक के प्रकाशन के सफलतपूर्वक उत्तरदायी निर्वाहन के लिए हार्दिकशुभकामनाएं।

धर्मेंद्र राठौर

जिला संगठन मंत्री लखीमपुर खीरी

महोदय,

पत्रिका का जून २०१६ अंक अति उत्तम लगा। भिन्न-भिन्न प्रकार की जानकारियां प्रेरणास्पद, लेख एवं पाक कला के व्यजंनों के मध्य पाठकों को नूतन जानकरियां प्राप्त हो रही हैं। पत्रिका में महिलाओं से सम्बंधी लेखों की कमी है।

पत्रिका की साज-सज्जा से यह प्रतीत होता है कि हमारे समाज में साहित्यिक जागरूकता सही दिशा की ओर बढ़ रही है। अनेक बाजारू पत्रिका की अपेक्षा चेतना संदेश पत्रिका काफी सस्ती व अच्छी लगी। जिसके लिए सम्पादक मण्डल और सभी सहयोगियों को धन्यवाद देता हूं।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका के माध्यम से समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन आयेंगे। पत्रिका को देश के सभी प्रान्तों में पहुंचाने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा। महिलाओं को भी साहित्य के प्रति और जागरूकता प्रदर्शित करना चाहिए।

कैलास साहू जिलाअध्यक्ष हमीरपुर

लहर नहीं ज़हर हूं मैं

मानव बोला कोला-कोला,
भारत का इंसान है भोला।
विदेश से मैं आयी हूं
साथ मौत को लायी हूं।
लहर नहीं ज़हर हूं मैं,
गुर्दों पर बढ़ता कहर हूं मैं।
मेरी पीएच दो पाइन्ट सात,
मुझमें गिरकर गल जाये दांत।
ऐसी मेरी कहानी है,
मुझसे अच्छा तो पानी है।
दूध दवा है, दूध दुआ है,
मैं जहरीला पानी हूं।
हाँ दूध मुझसे सस्ता है,
फिर पीकर क्यों मरता है।
१०० करोड़ कमाती हूं
विदेश में ले जाती हूं।
शिव ने भी ना ज़हर उतारा,
अपने कण्ठ के नीचे।
तुम मूर्ख नादान हो,
पड़े हो मेरे पीछे।
देखो इन्सां लालच में अंधा,
बना लिया है मुझको धंधा।
मैं पहुंची हूं आज वहां पर,
पीने का नहीं पानी जहां पर।
छोड़ों नकल अब अकल से जियो,
जो कुछ पीना संभल के पियो।
इतना रखना अब तुम ध्यान,
घर आयें जब मेहमान।
इतनी तो तुम रस्म निभाना,
उनको भी कुछ कसम दिलाना।
दूध जूस गाजर रस पिलाना,
डाल कर छाछ में जीरा पुदीना।
तुम भी पीना और पिलाना,
पेप्सी नहीं अब घर में लाना।
नहीं तो होगा वह अंजाम,
कर दूंगा मैं काम तमाम।

ललित कुमार साहू
कानपुर मो० 9455102336

सच्चा दहेज

देखो आज के युग में दहेज का क्या चलन है।
सरेआम बेवजह ही जल रही दुल्हन है।
हाय पैसा, हाय पैसा चारों ओर शोर मचा है।
चौराहे पर हर, नव-जवां बिकने को खड़ा है।
बेटे को तोल देते हैं, दहेज के तराजू में।
अरमान उसके जला देते हैं, इसी आरजू में।
इस दौड़ में बेटी की अस्मत क्या हो रही है।
मां की ममता भी आज पत्थर हो रही है।
इस चक्रव्यूह में मां की परिभाषा ही बदल गई है।
मजबूरन मां बेटी की कोख में ही दफन हो रही है।
उठो जागो, इस अभिशाप को ही मिटा दो,
दहेज नाम केशब्द को,शब्द कोष से हटा दो।
दहेज कोई प्रथा नहीं, यह भीषण अंगार है,
राख जो कर देता है, नारी का सुख संसार है
रूपवती-गुणवती बहु है,
फिर लेते क्यों दान-दहेज।
मानव हो तो दहेज छोड़ो,
दुल्हन को ही रखो सहेज।
दहेज के लोभ में क्यों बहु को सताते हो?
गिरी हुई मानसिकता तुम अपनी ही जताते हो।
भारी दहेज लेकर क्यों करते हो पाप?
कभी बेटे वाले भी तो होते हैं, बेटियों के बाप।

कु. शिवानी साहू
१६४६, दक्षिण मिलौनीगंज, जबलपुर

भामाशाह अमर रहें।　　　　　　माँ कर्मा देवी अमर रहें।।　　　　　　महात्मा गांधी अमर रहे।।

आइये अपने गौरव शाली अतीत पर गर्व करें- (अराध्य देव महादेव)

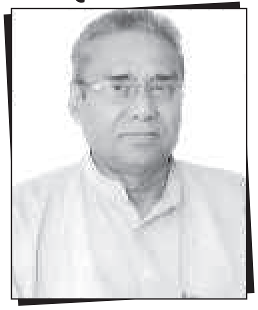

मानव की उत्पत्ति के पश्चात् वर्ण व्यवस्था का निर्धारण किया गया और प्रत्येक वर्ण की उत्पत्ति उसके इष्टदेव से मानी गयी जिस प्रकार ब्रहम्देव से ब्राह्माणें की उत्पत्ति मानी जाती है और आज वे सैकड़ों नामों/उपनामों में जाने जाते है उसी प्रकार क्षत्रियों के इष्ट देव भगवान विष्णु माने गए हैं और आज क्षत्रिय अर्थात् राजपूत परमेश्वर महादेव भी अनेक जातियों!उपजातियों में विभाजित हो गए हैं। उसी प्रकार वैष्यों की उत्पत्ति परमपिता परमेश्वर महादेव से मानी जाती और वही वैष्यों की उत्पत्ति का केन्द्र बिन्दु है भगवान शिव जो इस संसार के रचयिता ही नही अपितु इस सृष्टि के प्रथम वैज्ञानिक भी हैं, उन्होंने अज्ञात बीजों से तेल बीज खोजे और उनसे तेल निकाला एवं उसकी प्रचीन मशीन का अविष्कार अपनी प्रयोगशाला कैलाश मानसरोवर पर्वत पर किया। इस प्रथम अविष्कार के प्रयोग की वस्तुओं को उन्होंने अपने प्रीतक चिन्ह बनाए, अर्थात् तेल की उत्पत्ति के प्रमुख स्तंभ बैल (नन्दी) को अपना गण प्रमतुख बनाया, अन्य वस्तुएं भी उनके प्रतीक स्वरूप विद्यमान हैं।

मानव संस्कृति के आदिकाल में रात्रि के घने अंधकार को विदीर्ण करने वाले दीपक की जगमग ज्योति के साथ हमारा जन्म हुआ। दीपक का इतिहास जितना प्राचीन है। उतनी ही पुरातन है हमारी गौरव गाथा। इस प्रकार विश्व के आदि वैज्ञानिक भी हमीं बनें। हमी ने पृथ्वी पर सर्वप्रथम तेल के अविष्कार से मानव जाति को प्रकाश प्रदान किया। सारे संसार में हमारे वंशज विद्यमान है, यह है हमारी गौरवशाली परम्परा..

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है- 'कृषि गोरक्ष्य वाणिज्य वैश्य कर्म स्वभावजनम्' अर्थात वैश्य का कर्म कृषि गोरक्षा और व्यापार है। तेल पेरने का व्यवसाय इन तीनों से संबद्ध है।

आज हम अनेक नामें से जाने जाते हैं, उउमें साहू, राठौर, गुप्त, माथुर, माथुरिया, शाह, साहा, नन्दी, कुन्दू, गहलौत परमार, सोलह, कुबेर, सेठी, साधुखान, चौधरी, मोढ़, मोदी, घंची चेट्टी चेट्टियार, बनियार आदि प्रमुख है। हम भारत के हर क्षेत्र में ही नहीं वरन सारे विश्व में व्याप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा महाभारत के शान्तिपर्व में हमारे समाज के महाज्ञानी तुलाधार की गौरवगाथा का वर्णन किया गया है सन्त तुलाधार के ब्रह्मज्ञान, ईश्वर-निष्ठाा और सद्जीवन के सामने तपस्वी जार्जला ऋषि को भी नतमस्तक होना पड़ा था।

महानयोगी, दार्शनिक, धर्मनेता और युग प्रवर्तक गुरू गोरखनाथ हमारी ही समाज के रत्न थे। जो महादेव के प्रथम शिष्य थो और उनके द्वारा ही शैवधर्म का प्रचार-प्रसार किया गया। उन्होनें अपनी गोरखवाणी में अपनी जाति का स्पष्ट उल्लेख किया है। उनके पश्चात् भक्त-प्रवर कर्मा देवी की गोरवगाथा से सभी परिचत है। जिनकी अपार भक्ति से भगवान श्रीकृष्ण द्रविण होकर विशल मंदिर छोड़कर समुद्र तट पर माँ कर्मा देवी की खिचड़ी का भोग प्रतिदिन लगाया जाता है आरै वे भगवान के श्री चरणों में विराजमान है। नाभादासजी के भक्त काल में भक्ति शिरोमणि कर्मा देवी की भक्ति का गणमान किया गया है। इसी क्रम में आती है छत्तीसगढ़ की रजिमा-माता और तमिलनाडू की कन्नगी देवी तथा महाराष्ट्र के संताजी जगनाडे महाराज जो हमारी समाज की भक्ति परम्परा को देदीप्यमान कर रहे हैं।

वीरता और राष्ट्रीयता में भी हम अग्रणी रहे हैं। महाराजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य और उनके वंशज शताब्दियों तक शासन करते रहे। महाराजा गांगेयराज का साम्राज्य तेलंगाना से कन्नौज तक फैला हुआ था और उनके द्वारा मालवा नरेश राजा भोज को युद्ध में दे बार परजित किया गया था। बंदेलखंड के इतिहास पुरूष आल्हा-ऊदल का सेनापति 'धन्वा' और छत्रसाल महाराजा का संरक्षक एवं सेनापति 'महाबली'- भी इसी गौरवशाली परम्परा की कड़ी है। वीरांगना रमाबई की तलवार ने मरहटा सरदार गोखले के दांत खट्टे कर दिये थे। देश भक्ति के क्रम में दानवीर भामाशह अमर हैं उन्होने पराजित महाराणा प्रताप को अपनी सारी सम्पत्ति समर्पित की जिससे प्रताप ने पुनः मेवाड़ पर ध्वजा फहरायी थी। आन्ध्र में चालुक्यवंश में हमारा विशेष स्थान था।

प्राचीन काल में बैंको के जन्मदाता और संचालक भी हमी थे। सम्राट शाहजहाँ ने हमारे समाज रत्न मददृशाह को तांबे के सिक्का चलाने का अधिकार दिया था। इसी क्रम में आते

है महाकवि जयशंकर प्रसाद जिनकी रचनाओं से सभी भलीभांति परिचित हैं। यहाँ पर समाज रत्न राष्ट्पति महात्मा गांधी का उल्लेख न करना बेईमानी होगी। जिनकी सत्य और अहिंसा का लोहा सरा संसार मानता है। उसके पश्चात् स्वर्गीय दीन बन्धु साहू (उड़िसा) का नाम आता है जिन्होने सारे देश में फैली हमारी ६४२ उपशाखाओं को पच्चीस वर्षो की तपस्या और सेवा से एक सूत्र में पिराया और उनके अधूरे कार्यों को पूरा किया, स्व. रामलखन गुप्त सांसद (बिहार) एवं श्री प्रकाश गुरूजी (नागपुर) तथा प्रमुख समाजसेवी स्व० शिवनारायन साहू (लखनऊ) इसी गौरव शाली परम्परा में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सदस्य श्री रामनरायन साहू जी को पाते हैं, जो अपने प्रमाणपण से समाज के अधूरे कार्यों को पूरा करने में जुटे हैं।

सभी समाज बन्धुओं से मेरा विनम्र निवेदन है कि वे अपने इष्ट को पहचानें और उनकी आराधना करें। देवधिदेव महादेव बड़े ही सरल-सहज और दानी हैं। हम उनसे अपनी गौरवशाली परम्परा को पुनः प्रात्त करें। अपने उज्जवल भविष्य का निमार्ण करें क्योंकि संस्कृति के साधू से ही प्राकृत साहू शब्द की उत्पत्ति हुई है। इसके लिए स्नेही शब्द का उल्लेख आया है। अतः सज्जन, त्यागी सद्गुणों व श्रेष्ठ साधू (साहू) होता है। अपने हीन आचरण से साहू शब्द की गरिमा महिमा को धूमिल न करें। बल्कि दया, करूणा, विनम्रता, शील, सदाचरण, विवेक, न्यायप्रियता आदि सदगुणों की संपत्ति अर्जित कर अपनी गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाएं।

जवाहर लाल साहू
राष्ट्रीय सलाहकार
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
मो० 9305408981, 9580502732

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा द्वारा कैरियर गाइडेंस व स्वागत समारोह १७ जुलाई को सम्पन्न

महाराष्ट्र। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा डोंबिवली, जिला ठाणे महाराष्ट्र द्वारा दिनांक १७ जुलाई २०१६ रविवार को सायं ४ बजे से ठाकुर हाल, टंडन रोड, डोंबिवली पूर्व स्थान पर विद्यार्थी गौरव करियर गाइडेंस व अतिथि स्वागत का समारोह का आयोजन किया गया जिसमें इस वर्ष दसवीं, बारहवीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान कर प्रोत्साहन करके एवं बेहद बुद्धजीवि समाज सेवियों के द्वारा उनका मागदर्शन भी किया गया। कैरियर गाइडेंस हेतु समाज सेवी श्री धनराज वंजारी साहब, डा. रमेश आर, गुप्ता जी, श्री अजय गुप्ता जी, ॲड विपिन कामड़ी साहब, श्री देवीप्रसाद जी साहू ,श्री मुन्नालाल हीरालाल गुप्ता ने मागदर्शन किया कर्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मेवालाल साहू राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष भा. तै,सा, रा, महासभा एवं श्री लालजी गुप्ता फिल्म निर्माता उपस्थित रहे। श्री अरविंद गांधी राष्ट्रीय महामंत्री संगठन थे। अतिथि के रूप में श्री रमाशंकर गुप्ता महामंत्री श्री सुनील साहू राष्ट्रीय युवा कार्याध्यक्ष श्री नरेंद्र साहू अध्यक्ष मध्यप्रदेश, डा. यशवंत गुप्ता जिलाध्यक्ष जौनपुर महासभा, श्री श्रीनारायण साहू अध्यक्ष साहू गुजरात, श्री धनराज वंजारी साहेब, श्री विलास जी त्रिम्बककर, मुंबई विभागीय अध्यक्ष श्री सुनील चौधरी साहेब ठाणे विभागीय अध्यक्ष श्रीशरद तेली साहेब नगरसेवक बदलापुर, श्री रामआशिष गुप्ता नगर सेवक कांदिवली, श्री लल्लन गुप्ता संगठन मंत्री अपना तेली समाज मुंबई, श्री संजयशाह अध्यक्ष दमण ॲण्डदिव, श्री संजय गुप्ता अध्यक्ष वापी, श्री विष्णु गुप्ता अध्यक्ष दादरा एण्ड नगर हवेली,श्री रमाशंकर गुप्ता संस्थापक श्री मोहन हजारी लाल गुप्ता अध्यक्ष मुंबई, श्री भोला गुप्ता अध्यक्ष आदर्श मित्र मण्डल खार, श्री दीनानाथ गुप्ता महामंत्री ठाणे, श्री रामायण गुप्ता संस्थापक ,श्री राजेश गुप्ता अध्यक्ष गुजराज, श्री रमेश परिहार युवा अध्यक्ष सूरत गुजरात, श्री राजेन्द्र साहू उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश, श्री वासुदेव शेंडगे-अध्यक्ष महाराष्ट्र डोंबिवली, श्री प्रेमचंद जगेश्वर प्रसाद गुप्ता उपसचिव नवी मुंबई, श्री बाबा सेठ अध्यक्ष गुप्ता, श्री राकेश गुप्ता अध्यक्ष मदर, श्री दिनेश गुप्ता राष्ट्रीय युवा संगठन मंत्री, श्री रतीलाल गुप्ता सचिव साहू, सी.ए. कन्हैयालाल गुप्ता युवा अध्यक्ष-मुंबई विभाग, श्री सुनील गुप्ता उपाध्यक्ष।

उज्जवल नक्षत्र

समाज की बेटी पूजा एटलिटस गोल्ड मैडलिस्ट का सम्मान अगस्त माह की बैठक में सम्मानित किया गया।

पूजा गुप्ता का जन्म ८ अक्टूबर १६६८ को वाराणसी जिला के गोसाईपुर गॉव में श्री बनारसी गुप्ता के घर हुआ था सीमित साधनों से जिला, प्रदेश और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिमा के बल पर पहिचान बना ली है। जूनियर कामन वेल्थ चैमिपियनशिप-२०१५-२०१६ में सिलवर मैडल प्राप्त किया था।

यूथ कामन वेल्थ चैम्पियनशिप पूणे में सिल्वर मैडल-२११५-१६ एवम युवा वर्ड चैम्पियनशिप २०१५-१६ में प्राप्त किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर सब जूनियर राष्ट्रीय वेटलिफ्टर चैम्पियनशिप यमुना नगर (हरियाणा) में गोल्ड मेडल से सम्मानित है।

वर्तमान में स्पोर्ट अथार्टी ऑफ इण्डिया गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट कालेज कुर्सी रोड लखनऊ में रहकर अध्ययन के साथ-साथ तैयारी कर रही है।

समाज पूजा गुप्ता के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

-सम्पादक

स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन, एवं जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !!

महेश चन्द्र साहू

प्रदेश कार्यकारणी सदस्य
भाजपा ओ.बी.सी. मोर्चा, उ०प्र०
सदस्य- हिन्दी सलाहकार समिति युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
निवास- ग्राम धनीपुर, लदिगवाँ बहुआ, फतेहपुर, उ०प्र०
निवास दिल्ली- प्लाट नं. ८३, प्रथम तल, पाकेट-९, सेक्टर-२१, रोहिणी, नई दिल्ली-८६
मो० 9454063779, 9911676675

दिलीप साहू

प्रदेश उपाध्यक्ष- भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा, उत्तरप्रदेश
नगर महामंत्री - भाजपा ओ.बी.सी. मोर्चा, लखनऊ।
निवास - ४ केदार बिहार, गौशाला रोड़, बालागंज, चौक, लखनऊ-३
मो० 9415452944, 9235846350

भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा (रजि0)

Bhartiya Tailik Sahu Rathore Mahasabha (Reg.)

सम्पर्क कार्यालय : शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड़, कैसरबाग, लखनऊ-226001
Office : Shubham Building, Cantt. Road, Kaisarbagh, Lucknow-226001

सहयोगी सदस्यता स्वीकृति-पत्र

सेवा में,

राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
शुभम थियेटर बिल्डिंग, कैन्ट रोड
कैसरबाग, लखनऊ-226001

मान्यवर,

मैं साहू राठौर महासभा द्वारा चलाये जा रहे समाजोत्थान कार्यो से प्रभावित हूँ अतः इस महान यज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु विशिष्ट सदस्यता (3वर्ष हेतु) रू0 500/-, आजीवन सदस्यता (15 वर्ष हेतु) रू0 1500/-, संरक्षक सदस्यता (आजीवन) रू0 2100/-में से...सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करें।

नाम श्री/श्रीमती..

पिता/पति का नाम...

जन्म तिथि...वर्तमान व्यवसाय/नौकरी/अन्य सेवा

कार्य... पता (निवास) ....

....कार्यालय :..पिन कोड........................

फोन.............................मोबाइल..ई-मेल (यदि हो तो)..

.... शैक्षिक योग्यता...अभिरूचि..

..................सदस्यता शुल्क विवरण.. ....

....(चेक/मनीआर्डर/डी.डी.) पूरा उल्लेख करे।

स्थान : ....

दिनाँक : ....

सदस्य के हस्ताक्षर

(नोटः सदस्यता पूर्ण विवरण हेतु फार्म के पीछे अवश्य पढ़े।)

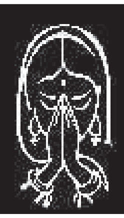

आदरणीय स्वजातीय बन्धु सादर नमस्कार !

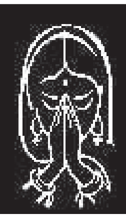

मुझे इस सत्यता का भरपूर आभास है कि आप सभी के हृदय में समाजोत्थान की एक ललक व मन में पीड़ादायक एक टीस अवश्य समाई हुई है जिसके कारण आप समाज कार्यों में सहभागी बनकर अपने कर्त्तव्य के प्रति सचेष्ट हैं। आपके सामने एक कल्पना है, एक सपना है, एक योजना है ताकि सामाजिक उन्नति के बल पर आप अपने बच्चों का सर्वागीण विकास सुनिश्चित कर सकें ताकि भावी पीढ़ी को उत्तरोत्तर उन्नति करने का सुअवसर प्राप्त हो सके।

यह सुखद संयोग है कि 'उ0प्र0 साहू राठौर चेतना समिति जोकि भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा' की संस्थापक प्रान्तीय इकाई है, का कार्य विगत 1989 से सतत् रूप से चल रहा है। समिति के कार्य की यह निरन्तरता विशेष महत्वपूर्ण है। यह मेरी अपनी अवधारणा है कि सामाजिक संगठन किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। समाज की उन्नति में तो सभी की सहभागिता, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता का उपयोग व सहयोग होना चाहिए। हम इस समाज के अभिन्न अंग हैं अतः इस गुरूतर दायित्व के लिए हमें ही आगे आना होगा।

परन्तु यह सत्यता भी निर्विवादित है कि संगठन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए आर्थिक तंत्र को सबल रखना भी आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक कदम पर धन की आवश्यकता होती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुये सामाजिक बन्धुओं के मध्य सदस्यता अभियान प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ है।

सदस्यता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी

(1) विशिष्ट सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 500/-(पाँच सौ मात्र निर्धारित की गई है)। प्रान्तीय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के समय विशिष्ट सदस्य को वोट देने का अधिकार होगा। रसीद कटने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक यह मान्य रहेगी। समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(2) आजीवन सदस्यता - इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि 1500/- (एक हजार पाँच सौ मात्र) निर्धारित की गई है। रसीद कटने की तिथि से आगामी 15 वर्षों तक सदस्यता मान्य रहेगी। ऐसे आदरणीय सदस्य को समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका सदस्यता अवधि तक निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

(3) संरक्षक सदस्यता- इस सदस्यता हेतु सहयोग राशि रू0 2100/- (दो हजार एक सौ मात्र) सम्पूर्ण जीवन काल के लिए निर्धारित की गई है। सम्पूर्ण जीवन काल के लिए ऐसे आदरणीय सदस्य का समाजहित में सहयोग चिर स्मरणीय रहेगा। समिति द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका स्वाभाविक रूप से आजीवन निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी।

अन्त में इसी दृढ़ विश्वास के साथ यह अनुरोध पत्र भेजा जा रहा है कि समाजोत्थान के इस यज्ञ में आपकी आर्थिक सहभागिता अवश्य प्राप्त होगी।

विशेष : इस पत्र के साथ सदस्यता स्वीकृति पत्र प्रेषित है।

सादर,

भवदीय

(गांधी रामनरायन साहू)

राष्ट्रीय अध्यक्ष

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

स्पष्ट आवाज

कांग्रेस ले रही दागियों और भगोड़ों का सहारा : रामनारायण

हिन्दुस्तान

लखनऊ

हलचल

साहू समाज का सम्मेलन एमपी में

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा कोर कमेटी की बैठक सोमवार को शुभम सिनेमा थियेटर में आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद राम नारायण साहू ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के 17 और 18 दिसम्बर को मध्य प्रदेश की राजधानी में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन पर विस्तार से चर्चा की गई।

दैनिक सृष्टि खबर

भाजपा नेत्री विजय लक्ष्मी साहू की लोकप्रियता से विपक्षी परेशान

25 जुलाई 2016 हिन्दुस्तान

जागरूकता के लिए निकालेंगे रथयात्रा

लखनऊ। समाज को जागरूक करने के लिये भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा उत्तर प्रदेश भर में रथयात्रा निकालेगी। यह जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण साहू ने दी। वह रविवार को गांधी प्रेक्षागृह में महासभा के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

ओबीसी आरक्षण की मांग हुई तेज

हिन्दुस्तान 11

लखनऊ • शनिवार • 23 जुलाई 2016

आरक्षण में वर्गीकरण की मांग

लखनऊ। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा ने केन्द्र से मांग की है कि ओबीसी आरक्षण में जातीय आधार पर वर्गीकरण किया जाए। इस मांग के लिए महासभा का प्रतिनिधि मण्डल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेगा। पूर्व सांसद हरिभाऊ और रामनारायण साहू ने कहा कि ओबीसी आरक्षण में जातिगत आधार पर वर्गीकरण समय की आवश्यकता है।

संक्षिप्त खबरें

आतंकवाद के खिलाफ केन्द्र का निर्णय सराहनीय: रामनारायण

साहू-राठौर महासभा निकालेगी रथयात्रा

चेतना विचारधारा

लखनऊ, शुक्रवार 19 अगस्त, 2016 3

केन्द्र सरकार का निर्णय सराहनीय : साहू

विचारधारा समाचार सेवा

लखनऊ, 18 अगस्त। आतंकवादी बुरहान हानी के मौत के बाद पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल बढ़ रहे आतंकी संगठनों के कर्तार्ता बौखला गए हैं। इसका जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक और निर्णय की सराहना करते हुए पूर्व सांसद रामनारायण साहू ने कहा कि पाक के नापाक रवैया पर केन्द्र का निर्णय सार्थक और दूरगामी है। पूर्व सांसद ने प्रधानमंत्री के पाक सरकार के प्रति अपने दो टूक निर्णय को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि जल्द ही मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पाकिस्तान को बेनकाब कर देगी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए जो कुछ प्रधानमंत्री ने कहा उसका सीधा सा अर्थ यह था कि आम से लेकर खास सभी के बारे में वे बारीकी से काम कर रहे हैं।

प्रभात

लखनऊ | शुक्रवार, 19 अगस्त 2016

...: रामनारायण साहू

स्पष्ट आवाज़ 2 शुक्रवार, 19 अगस्त 2016

आतंकवाद पर केन्द्र का निर्णय सराहनीयः स...

लखनऊ। आतंकवादी बुरहान हानी के मौत के बाद पाकिस्तान और उसके संरक्षण में पल बढ़ रहे आतंकी संगठनों के कर्तार्ता बौखला है। इसका जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक और निर्णय की सराहना करते हुए पूर्व सांसद और भाजपा कार्य विशेष आमंत्रित सदस्य रामनारायण साहू ने कहा कि पाक के नापाक रवैया पर केन्द्र का निर्णय सार्थक और दूरगामी है। उन्होंने प्रधानमंत्री के पाक सरकार के प्रति अपने दो टूक निर्णय को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि जल्द ही मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पाक को बेनकाब कर देगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए जो कुछ श्री मोदी ने कहा उसका सीधा सा अर्थ था कि वह आम से लेकर खास सभी के बारे में बारीकी से काम कर रहे हैं। श्री साहू ने कश्मीर में अशांति को पाक प्रायोजित आतंकवाद का परिणाम बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद से पूरी सख्ती से निपटेगा और कानून के शासन के प्रति भारत की प्रति... को विरोधी ताकतों को भारत की क... नहीं समझना चाहिए। केन्द्र कश्मीर के... का संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के अ... स्थायी और शांतिपूर्वक हल के लिए प्र... है। इसके लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी द्वारा दिखाये गये मार्ग का अ... किया जा रहा है। आतंकी बुरहान ... मौत के बाद से ही पाक और वहां के ... संगठन लगातार कश्मीर को लेकर ... कर रहे हैं। सईद भारतीय सेना को ... आके डरना उसे पछताने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले महीने आतंकी सईद ने धमकी दी ... कश्मीर में चल रहे प्रदर्शन और ... होंगे और वहां मरने वालों की कुर्बानी नहीं जाएगी। उन्होंने हाफिज के इस बयान को पाक की जनता को बरगलाने वाला बयान बताते हुए कहा कि श्री मोदी की सरकार ऐसे तत्वों से निपटने के ... तरह तैयार है।

संकलन - राजेश साहू- मीडिया प्रभारी मो0 9453973001

GANDHI GROUP OF INSTITUTIONS

मान्यता प्राप्त NCTE नई दिल्ली NCUT नई दिल्ली
BCI OF GOVT. OF U.P.

सम्बद्धता बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी राज्य व्यवसायिक परिक्षा परिषद, लखनऊ
संचालित पाठ्यक्रम

B.EA., BTC, BCA, B.Sc. (Math/Bio) B.A. & I.T.I, LLB
(3 Years) B.A. LLB (5 Yeas)

कैम्पस : अम्बाबॉय झांसी, उ.प्र.
निजी आफिस : मयूर बिहार मेडिकल, झांसी
मो0 9450040250, 9454703560, 61, 62, 63
e-mail : gdcjhansiindia@gmail.com

डा0 एस.के. साहू
डायरेक्टर
गाँधी डिग्री कालेज, झाँसी, उ.प्र.

मेवालाल साहू
प्रबन्धक- गाँधी डिग्री कालेज, झाँसी, उ.प्र.
राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष-
भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा
मो. +91 8959136930

Gandhi Degree College
Hastinapur, Ambabai, Jhansi (U.P.)

SAHU GROUP OF COMPANIES

HAZRATGANJ, LUCKNOW Ph. 0522-4002233

Sahu Cinema - Hazratganj, Lucknow
Shubham Cinema- Kaisarbagh, Lucknow

Sahu Agencies-
- Raibarely Road
- Aliganj
- Hazratganj
- Sitapur Road
- Gomtinagar
- Alambagh
- Indira Nagar
- Saharaganj

Gemini Continental ★★★ - Hazratganj, Lucknow
Renaissance Hotel ★★★★★ - Gomti Nagar, Lucknow
DR Hotel ★★★★★ - Gomti Nagar, Lucknow

Sahu Jewellers Pvt. Ltd - Hazratganj, Lucknow
Madhu Jewellers - Gomtinagar, Lucknow

Sunny Toyota -
- Shahnajaf Road, Lucknow
- Chinhat, Lucknow
- Amousi, Lucknow
- Agra, Kanpur, Sultanpur
- Faizabad, Etawa

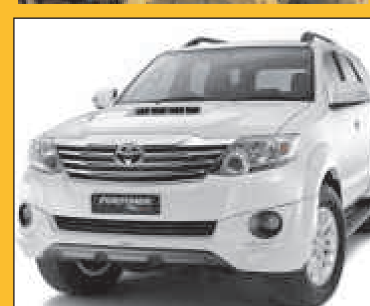

▸ Kalpana Construction ▸ Sahu Landmark ▸ Sahu Colonizer ▸ Sahu Land Developers ▸ Sahu Housing etc.